



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 228]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 1, 2007/अग्रहायण 10, 1929

No. 228]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 1, 2007/AGRAHAYANA 10, 1929

भारतीय रिजर्व बैंक

(सरकारी और बैंक लेखा विभाग)

(केंद्रीय ऋण प्रभाग)

अधिसूचना

मुम्बई, 1 दिसम्बर, 2007

सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 32 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार के पूर्वानुमोदन से, भारतीय रिजर्व बैंक निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः :—

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन विनियमों को सरकारी प्रतिभूति विनियमावली, 2007 कहा जाएगा ।
(2) ये विनियम 1 दिसम्बर, 2007 से प्रवृत्त होंगे ।
2. परिभाषाएं.—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(क) “अधिनियम” से सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) अभिप्रेत है;
(ख) “विरूपित प्रतिभूति” से ऐसी प्रतिभूति अभिप्रेत है जो अपठनीय हो गई है या उसके महत्वपूर्ण अंशों में पढ़ने लायक नहीं रही; और ऐसी प्रतिभूति के महत्वपूर्ण अंश वे हैं जहां—
(i) प्रतिभूति संख्या, जिस ऋण की वह प्रतिभूति है तथा प्रतिभूति का अंकित मूल्य या ब्याज के भुगतान दर्ज हैं; या
(ii) आदाता का पृष्ठांकन या नाम लिखा हुआ है या हस्तांतरण निष्पादित है; या
(iii) नवीकरण दर्ज है;
(ग) “प्रपत्र” से इस विनियमावली की अनुसूची में निर्धारित प्रपत्र अभिप्रेत है;
(घ) “खोई प्रतिभूति” से ऐसी प्रतिभूति अभिप्रेत है जो खो गई है परंतु इसमें दावेदार के विरुद्ध किसी व्यक्ति के कब्जे में प्रतिभूति शामिल नहीं है;
(ङ) “कटी-फटी प्रतिभूति” से ऐसी प्रतिभूति अभिप्रेत है जो नष्ट हो गई है, महत्वपूर्ण अंशों में कट गई है या उसे क्षति पहुंची है और ऐसी प्रतिभूति के महत्वपूर्ण अंश वे हैं जहां—
(i) प्रतिभूति संख्या, जिस ऋण की वह प्रतिभूति है तथा प्रतिभूति का अंकित मूल्य या ब्याज के भुगतान दर्ज हैं; या
(ii) आदाता का पृष्ठांकन या नाम लिखा हुआ है या हस्तांतरण निष्पादित है; या
(iii) नवीकरण दर्ज है ।

स्पष्टीकरण : इस खंड के प्रयोजन के लिए, किसी प्रतिभूति को क्षतिग्रस्त माना जाएगा, यदि प्रतिभूति को इस प्रकार से रखा गया या परिवर्तन किया गया है कि प्रतिभूति को छूना तथा महसूस करना असंभव हो गया है या उस पर लिख कर उसका पृष्ठांकन करना तथा उस पर सील लगाना या हस्ताक्षर करना असंभव हो गया है ;

- (च) "भारतीय रिजर्व बैंक का अधिकारी" से अधिनियम के अन्तर्गत कार्य निष्पादित करने के लिए नियोजित अधिकारी अभिप्रेत है ;
- (छ) "लोक ऋण कार्यालय" से भारतीय रिजर्व बैंक का वह कार्यालय अभिप्रेत है जिसकी बहियों में सरकारी प्रतिभूति पंजीकृत है या पंजीकृत की जा सकती है ;
- (ज) "अनुसूचित बैंक" से भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की दूसरी अनुसूची में शामिल बैंक अभिप्रेत है ;

(2) इस विनियमावली में प्रयुक्त तथा उसमें परिभाषित न किए गए परंतु अधिनियम में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का अभिप्राय क्रमशः अधिनियम में उनके अभिप्राय से है।

अध्याय II

सरकारी प्रतिभूतियों के स्वरूप और हस्तांतरण तथा मृत व्यक्ति की प्रतिभूति के हक को मानना

3. ग्राहक के सहायक सामान्य बही (एसजीएल) खाता सहित एसजीएल खाता तथा बांड लेजर खाता (1) ग्राहक एसजीएल सहित एसजीएल खाता तथा बांड लेजर खाता निपेक्षागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) के उपबंधों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक रूप या अमूर्त रूप में रखा जाएगा।

(2) ग्राहक एसजीएल खाता सहित एसजीएल खाते में फार्म- I में दिए गए विवरण शामिल होंगे।

(3) बांड बही खाते में फार्म II में बताए गए अनुसार विवरण होंगे।

(4) सरकारी प्रतिभूतियों का हस्तांतरण - (1) विभिन्न रूपों में सरकारी प्रतिभूतियों का हस्तांतरण निम्नप्रकार से किया जाएगा, नामतः -

- (क) **सरकारी वचनपत्र** - यह पृष्ठांकन और दाति द्वारा हस्तांतरणीय होगा और जब तक कि ऐसा पृष्ठांकन प्रतिभूति की कुल राशि के बेचान के लिए, प्रतिभूति की पिछली ओर धारक के हस्ताक्षर या उसके विधिवत अटार्नी या प्रतिनिधि द्वारा न किया गया हो, वैध नहीं होगा ;
- (ख) **धारक बांड** - यह दाति द्वारा हस्तांतरणीय होगा और जिसके पास बांड है, उसे बांड का धारक माना जाएगा ;
- (ग) **स्टाक प्रमाणपत्र** - जिस स्टాक के लिए स्टाक प्रमाणपत्र जारी किया गया है, वह परिपक्वता से पहले पूर्णतया या अंशतया फार्म - III में हस्तांतरण का लिखत निष्पादित करके हस्तांतरणीय होगा और जब तक कि भारतीय रिजर्व बैंक स्टाक के धारक के रूप में धारक का नाम पंजीकृत नहीं कर लेता, हस्तांतरणकर्ता उसका धारक बना रहेगा ;

(घ) **ग्राहक एसजीएल खाते सहित एसजीएल खाता** - भारतीय रिजर्व बैंक के पास किसी ग्राहक एसजीएल खाते सहित धारक के नाम सहायक सामान्य बही खाते में धारित स्टाक परिपक्वता से पहले पूर्णतया या अंशतया फार्म - IV में हस्तांतरण का लिखत निष्पादित करके हस्तांतरणीय होगा और जब तक कि बैंक हस्तांतरिती के नाम को धारक के रूप में पंजीकृत नहीं कर लेता, हस्तांतरणकर्ता ऐसी प्रतिभूति का धारक बना रहेगा।

(ङ.) **बांड लेजर खाता** - भारतीय रिजर्व बैंक के पास या उसके एजेंट के पास "बांड लेजर खाते" में रखी सरकारी प्रतिभूति परिपक्वता से पहले पूर्णतया या अंशतया फार्म - V में हस्तांतरण का लिखत निष्पादित करके हस्तांतरणीय होगा और जब तक कि बैंक हस्तांतरिती के नाम को धारक के रूप में पंजीकृत नहीं कर लेता, हस्तांतरणकर्ता ऐसी प्रतिभूति का धारक बना रहेगा।

(2) ग्राहक एसजीएल खाते या बांड लेजर खाते में रखी प्रतिभूति सहित एसजीएल खाते में रखी सरकारी प्रतिभूतियां, जैसा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) की धारा (2) की उप-धारा (1) के खंड (पी) में यथा परिभाषित है, डिजिटल हस्ताक्षर से इलेक्ट्रॉनिक रूप में हस्तांतरण विलेख निष्पादित करके हस्तांतरित की जा सकती हैं।

5. लिख न सकने वाले व्यक्ति द्वारा दस्तावेज या पृष्ठांकन का निष्पादन - (1) यदि कोई व्यक्ति प्रतिभूति के संबंध में कोई दस्तावेज या पृष्ठांकन निष्पादित नहीं कर सकता तो वह अपनी ओर से दस्तावेज निष्पादित करने या पृष्ठांकन करने के लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट को आवेदन कर सकता है, यदि कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा ऐसा दस्तावेज या पृष्ठांकन निष्पादित किया जाना हो, तो कार्यकारी मजिस्ट्रेट उप विनियम (2) में उल्लेख किये गये अनुसार उस व्यक्ति की उपस्थिति में दस्तावेज या पृष्ठांकन निष्पादित करेगा और ऐसे दस्तावेज या पृष्ठांकन के नीचे इस आशय का प्रमाणपत्र दर्ज करेगा कि उस व्यक्ति को ऐसे निष्पादन या पृष्ठांकन के निहितार्थ समझा देने के बाद उस व्यक्ति के अनुरोध पर, यथास्थिति, दस्तावेज निष्पादित किया गया या पृष्ठांकन किया गया, और वह संतुष्ट है कि वह व्यक्ति उसको दिए गए स्पष्टीकरण को पूरी तरह समझ गया है।

(2) जहां इस विनियमावली के अधीन किसी व्यक्ति की ओर से, कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा ऐसा दस्तावेज या पृष्ठांकन निष्पादित किया जाना हो, तो कार्यकारी मजिस्ट्रेट उस व्यक्ति की उपस्थिति में दस्तावेज या पृष्ठांकन निष्पादित करेगा और ऐसे दस्तावेज या पृष्ठांकन के नीचे इस आशय का प्रमाणपत्र दर्ज करेगा कि उस व्यक्ति को ऐसे निष्पादन या पृष्ठांकन के निहितार्थ समझा देने के बाद ऐसे व्यक्ति के अनुरोध पर, यथास्थिति, दस्तावेज निष्पादित किया गया या पृष्ठांकन किया गया, और वह संतुष्ट है कि वह व्यक्ति उसको दिए गए स्पष्टीकरण को पूरी तरह समझ गया है।

6. किसी मृत धारक की सरकारी प्रतिभूति के हक को मानना - (1) अधिनियम की धारा 7 की उप-धाराओं (1) और (2) में संदर्भित दस्तावेजों के अतिरिक्त, जहां किसी न्यायालय द्वारा उसमें संदर्भित व्यक्ति को सरकारी प्रतिभूति का हक रखने की घोषणा संबंधी डिक्री, आदेश या निदेश जारी किया जाता है या किसी विधान के अधीन किसी व्यक्ति को सरकारी प्रतिभूति का हक रखने की घोषणा के लिए किसी अधिकारी द्वारा जारी प्रमाणपत्र या आदेश किसी दावेदार द्वारा मृत धारक की प्रतिभूति के संबंध में उसके हक के लिए प्रस्तुत किया जाता है, तो बैंक, या यथास्थिति, उसका एजेंट ऐसे दस्तावेजों के आधार पर उसके दावे को मान सकता है बशर्ते, वह उसकी वैधता, सदाशयता, और अंतिमता के बारे में संतुष्ट हो, और ऐसी सरकारी प्रतिभूति के बारे में कोई दूसरा दावा न हो।

(2) उप-विनियम (1) में संबंधित दस्तावेजों के अतिरिक्त और उप-विनियमों (3) तथा (4) के उपबंधों के अधीन, भारतीय रिजर्व बैंक या, यथास्थिति, उसका एजेंट, इस बात से संतुष्ट होने पर कि

सरकारी प्रतिभूति के संबंध में कोई दूसरा दावा नहीं है, निम्नलिखित दस्तावेजों के आधार पर सरकारी प्रतिभूति के संबंध में किसी व्यक्ति का हक मान सकता है, नामतः -

(क) सरकारी प्रतिभूति के मृत धारक द्वारा की गई "वसीयत" जिसमें प्रतिभूति का दावा करने वाले व्यक्ति को प्रतिभूति दी गई हो, बशर्ते ऐसी वसीयत के बारे में जारी प्रोबेट को दावेदार ने बैंक को प्रस्तुत किया है; या

(ख) पारिवारिक समझौते का पंजीकृत विलेख जिसमें दावा की गई प्रतिभूति शामिल है और दावेदार को दी गई है; या

(ग) दावा की गई सरकारी प्रतिभूति के संबंध में कानून के अनुसार निष्पादित उपहार विलेख; या

(घ) दावा की गई सरकारी प्रतिभूति के संबंध में कानून के अनुसार मृतक के अन्य कानूनी वारिस या उत्तराधिकारी द्वारा निष्पादित पुनःभरण विलेख; या

(ङ) सरकारी प्रतिभूति के संबंध में किसी विदेशी न्यायालय द्वारा पारित डिक्री जिसका निष्पादन सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की धारा 44 ए के उपबंधों के अनुसार है; या

(च) कानून के अनुसार निष्पादित और कार्यान्वित विभाजन विलेख, जिसमें दावा की गई सरकारी प्रतिभूति शामिल है और दावेदार को आंशिक हिस्से में दी गई है।

(3) उप-विनियमों (1) तथा (2) में संदर्भित किसी दस्तावेज के आधार पर सरकारी प्रतिभूति के हक पर विचार करते समय, भारतीय रिजर्व बैंक, या, यथास्थिति, उसका एजेंट संदर्भित दस्तावेजों की वैधता, सदाशयता और अंतिमता के बारे में अपने आप को संतुष्ट करेगा और उस प्रयोजन के लिए जो भी आवश्यक समझेगा, उस दस्तावेज या घोषणा की मांग कर सकता है।

(4) इस विनियम के उपबंधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, सरकारी प्रतिभूति के हक पर विचार करते समय, भारतीय रिजर्व बैंक या यथास्थिति, उसका एजेंट आवश्यक समझे जाने पर जिस राशि के लिए वह उचित समझे, उस राशि के लिए दावेदार से क्षतिपूर्ति बांड की भी मांग कर सकता है।

अध्याय III

नामन

7. सरकारी प्रतिभूतियों के संबंध में नामन - स्टॉक प्रमाणपत्र के संबंध में किसी को नामित करने अथवा नामन निरस्त करने वाला व्यक्ति प्रमाणपत्र के साथ फॉर्म-VI अथवा VII, जो भी लागू हो, प्रस्तुत करेगा अथवा बांड लेजर खाते के संबंध में केवल फॉर्म VI अथवा VII, जो भी लागू हो, प्रस्तुत करेगा। ऐसे फॉर्म प्राप्त होने पर लोक ऋण कार्यालय, अपनी बहियों में नामन अथवा उसका निरसन दर्ज करते हुए तथा उसके स्टॉक प्रमाणपत्र पर इस आशय का पृष्ठांकन करते हुए संबंधित व्यक्ति को सूचित करेगा अथवा इस आशय की पावती भेजेगा कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत फॉर्म की अपेक्षानुसार संबंधित खाता-बहियों में नामन अथवा निरसन दर्ज कर लिया गया है।

8. अवयस्क का नामन - किसी अवयस्क के पक्ष में नामन करते समय सरकारी प्रतिभूति का एकमात्र धारक अथवा सभी संयुक्त धारक, जैसी भी स्थिति हो, किसी वयस्क व्यक्ति को भी नियुक्त करे/करें जो

एकमात्र धारक अथवा सभी संयुक्त धारकों की मृत्यु हो जाने की स्थिति में अवयस्क की अवयस्कता के दौरान उसकी ओर से (अवयस्क के लिए) सरकारी प्रतिभूति पर प्राप्य आय को स्वीकार करे।

9. नवीकरण आदि की स्थिति में नामन का प्रभाव - (1) स्टॉक प्रमाणपत्र के नवीकरण अथवा उप-विभाजन अथवा मूल स्टॉक प्रमाणपत्र के खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, विकृत हो जाने अथवा विरूपित हो जाने की वजह से प्रमाणपत्र की अनुलिपि जारी होने की स्थिति में विनियम 7 के अंतर्गत विधिवत् नामित और पंजीकृत मामलों में नामिती द्वारा सरकारी प्रतिभूति के संबंध में अर्जित अधिकारों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा नवीकृत स्टॉक प्रमाणपत्र अथवा उप-विभाजन के फलस्वरूप जारी प्रत्येक स्टॉक प्रमाणपत्र अथवा प्रमाणपत्र की अनुलिपि के संबंध में नामिती अथवा नामितियों द्वारा अर्जित अधिकार बरकरार रहेंगे :

बशर्ते, जहां किसी प्रतिभूति के किसी अंश के अंतरण के फलस्वरूप कोई प्रतिभूति उप-विभाजित होती है, तो हस्तांतरिती को जारी नवीन स्टॉक प्रमाणपत्र पर इस उप-विनियम का कोई भी प्रावधान लागू नहीं होगा।

(2) विनियम 16 में निहित किसी भी तथ्य के बावजूद किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के पक्ष में अभिप्रेत किसी स्टॉक प्रमाणपत्र को किसी अन्य स्टॉक प्रमाणपत्र के साथ तब तक समेकित नहीं किया जाएगा जब तक कि पूर्वोक्त अन्य प्रमाणपत्र भी उसी व्यक्ति अथवा उन्हीं व्यक्तियों के पक्ष में अभिप्रेत हो/हों तथा जहां दो अथवा दो से अधिक ऐसे प्रमाणपत्र समेकित किए जाएं, वहां समेकित प्रतिभूति पर संबंधित व्यक्ति/व्यक्तियों के वे अधिकार बरकरार रहेंगे जो उन्हें समेकन के पूर्व इस तरह समेकित प्रमाणपत्रों में से प्रत्येक प्रमाणपत्र पर प्राप्त थे।

अध्याय IV

नई सरकारी अथवा अनुलिपि (डुप्लीकेट) प्रतिभूति जारी करना

10. सरकारी प्रतिभूति की अनुलिपि जारी करने की प्रक्रिया आदि - (1) किसी सरकारी प्रतिभूति के खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, विकृत हो जाने अथवा विरूपित हो जाने की स्थिति में उक्त प्रतिभूति का पात्र स्वत्वाधिकारी विनियम 11 और 13 में निर्धारित व्यवस्थानुसार उस लोक ऋण कार्यालय में आवेदन करेगा जहां प्रतिभूति पंजीकृत हो। आवेदन के साथ प्रतिभूति का नंबर, प्रतिभूति की धनराशि और ऋण के नाम का विवरण भी प्रस्तुत किया जाए।

(2) जो सरकारी प्रतिभूतियां, सरकारी प्रतिभूति की अनुलिपि जारी होने की प्रक्रिया के दौरान परिपक्व हो गयी हों अथवा परिपक्व होने वाली हों, उनके संबंध में विनियम 11 और 13 में निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करने के बाद, लोक ऋण कार्यालय, प्रतिभूति की अनुलिपि जारी करने के बजाए उक्त प्रतिभूति की परिपक्वता पर देय राशि का ब्याज सहित भुगतान करेगा।

11. सरकारी वचनपत्र के खो जाने आदि की स्थिति में लागू प्रक्रिया - (1) कथित तौर पर खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से विकृत अथवा विरूपित सरकारी वचनपत्र के बदले सरकारी वचनपत्र की अनुलिपि जारी करवाने हेतु प्रस्तुत आवेदनपत्र के साथ निम्नानुसार विवरण प्रस्तुत किया जाए -

(क) निम्नलिखित तथ्यों के बारे में एक विवरण पत्रक, नामतः:-

(i) वह अंतिम छमाही जिसके लिए ब्याज का भुगतान किया जा चुका हो;

- (ii) उस व्यक्ति का नाम जिसे पूर्वोक्त ब्याज का भुगतान किया गया हो;
- (iii) उस व्यक्ति का नाम जिसके पक्ष में सरकारी वचनपत्र जारी किया गया था (यदि ज्ञात हो);
- (iv) संलग्न कूपनों (यदि कोई हों) का विवरण;
- (v) ब्याज के भुगतान हेतु नियत स्थान का नाम, जो तत्कालीन समयावधि हेतु सरकारी वचनपत्र पर मुखांकित हो।
- (vi) उन परिस्थितियों का उल्लेख जिनके दौरान खो जाने, चोरी हो जाने, नष्ट हो जाने, कटे-फटे हो जाने अथवा विरूपित होने की घटना घटित हुई हो; तथा
- (vii) यदि खो जाने अथवा चोरी होने की रिपोर्ट पुलिस को की गई हो, तो पुलिस रिपोर्ट की प्रतिलिपि संलग्न की जाए;

(ख) यदि सरकारी वचनपत्र युक्त पत्र (लिफाफा) रजिस्ट्री डाक से प्रेषण के दौरान खो गया हो, तो डाकघर की पंजीकरण रसीद;

(ग) जहां ब्याज का अंतिम भुगतान लोक ऋण कार्यालय द्वारा जारी वारंट के माध्यम से नहीं हुआ हो, वहां अंतिम भुगतान करने वाली ट्रेजरी या यथास्थिति सब-ट्रेजरी के किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय का प्रमाणपत्र कि सरकारी वचनपत्र पर देय ब्याज का अंतिम भुगतान वहां किया गया था। साथ ही, उस धारक का नाम भी प्रमाणित किया जाए जिसे भुगतान किया गया था;

(घ) (i) यदि आवेदक वह व्यक्ति नहीं हो जिसके नाम से मूलतः सरकारी वचनपत्र जारी किया गया था, तो कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में अधिप्रमाणित इस आशय का शपथपत्र कि आवेदक उक्त सरकारी वचनपत्र का अंतिम कानूनी धारक था;

(ii) मूल-धारक का स्वत्वाधिकार सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित सभी दस्तावेजी साक्ष्य; तथा

(ङ) खो गए, चोरी हुए, नष्ट हुए, विकृत अथवा विरूपित सरकारी वचनपत्र का कोई भी उपलब्ध हिस्सा।

(2) लोक ऋण कार्यालय को संबोधित पत्र की प्रतिलिपि (बगैर अनुलग्नक) उस ट्रेजरी या सब-ट्रेजरी, जैसी भी स्थिति हो, को भी प्रेषित की जाए जहां ब्याज का भुगतान किया जाना नियत हो।

3. सरकारी वचन पत्र अथवा उसके किसी हिस्से की हानि, चोरी, विनष्टीकरण, कट-फट जाने अथवा विरूपण आदि होने पर आवेदक को निम्नलिखित में अधिसूचित करना होगा -

(क) केंद्र सरकार के वचनपत्र के मामले में भारत के राजपत्र तथा उस स्थान के जहाँ पर हानि, चोरी, विनष्टीकरण, विकृतीकरण अथवा विरूपण आदि की घटना घटित हुई हो, स्थानीय शासकीय राजपत्र, यदि कोई हो;

(ख) राज्य सरकार के सरकारी वचन पत्र के मामले में, सरकारी वचन पत्र अथवा उसके किसी हिस्से की हानि, चोरी, विनष्टीकरण, विकृतीकरण अथवा विरूपण आदि होने पर संबंधित राज्य के राजपत्र तथा यदि हानि, चोरी, विनष्टीकरण, कट-फट जाने अथवा विरूपण आदि राज्य की सीमा से बाहर होने पर उस राज्य के राजपत्र में भी; और

इस प्रकार की अधिसूचना परिस्थितियों के अनुसार, फार्म VIII अथवा स्थिति को देखते हुए उस जैसे फार्म में जारी की जायेगी ।

(4) उप-धारा (3) के अंतर्गत अधिसूचना के प्रकाशन के बाद, बैंक यदि सरकारी वचन पत्र की हानि, चोरी, विनष्टीकरण, कट-फट जाने अथवा विरूपण और आवेदक के दावे के औचित्य से वह संतुष्ट हो जाता है, तो वह विनियम 14 में यथासंदर्भित सूची में सरकारी वचन पत्र के ब्यौरे सम्मिलित करवायेगा और उसके बाद लोक ऋण कार्यालय

(क) आवेदक को ब्याज का भुगतान करेगा और यदि सरकारी वचन पत्र का बचा हुआ हिस्सा प्रस्तुत किया गया हो, जो कि पहचान के लिए पर्याप्त हो तथा उस सरकारी वचन पत्र जिसका कि एक हिस्सा खो गया, चोरी हो गया, नष्ट हो गया, कट-फट गया है, विरूपित हो गया अथवा जैसी भी स्थिति हो, उसकी अनुलिपि आवेदक को जारी करेगा; अथवा

(ख) यदि पहचान के लिए पर्याप्त सरकारी वचनपत्र का बचा हुआ हिस्सा प्रस्तुत न किया गया हो तो कथित सूची के प्रकाशन की तारीख से तीन माह बाद आवेदक को ब्याज का भुगतान करेगा तथा उसकी अनुलिपि उसे जारी करेगा; अथवा

(ग) यदि सरकारी वचन पत्र दुश्मन की कार्रवाई के कारण खो गया हो, तो लोक ऋण कार्यालय कथित सूची के प्रकाशन की तारीख के बाद तुरंत आवेदक को ब्याज का भुगतान करेगा तथा उसकी अनुलिपि उसे जारी करेगा।

(5) यदि सरकारी वचन पत्र की अनुलिपि जारी करने से पहले किसी भी समय उसकी मूल प्रति मिल जाती है तो उप-विनियमन (4) के अधीन पारित आदेश रद्द कर दिया जायेगा और इस संबंध में की गई समस्त कार्रवाई निलंबित कर दी जायेगी ।

(6) बैंक, सरकारी वचन पत्र की अनुलिपि जारी करने हेतु आदेश पारित करने से पहले किसी भी समय, पर्याप्त कारण होने पर, इस विनियमावली के अंतर्गत पारित किसी भी आदेश में 'यथास्थिति' फेर-बदल अथवा उसे रद्द कर सकता है और यह निर्देश भी दे सकता है कि सरकारी वचन पत्र की अनुलिपि जारी करने से पहले का अंतराल, जैसा वह उपयुक्त समझे, तीन वर्ष से अधिक न बढ़ाया जाये ।

(7) यदि उस व्यक्ति द्वारा, जिसे सरकारी वचन पत्र की अनुलिपि जारी कर दी गई हो, अनुलिपि जारी करने के बाद सरकारी वचन पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत की जाती है, उस स्थिति में लोक ऋण कार्यालय उसे जब्त कर लेगा और निरस्त कर देगा ।

(8) सरकारी वचन पत्र की अनुलिपि जारी करने के बाद यदि उस व्यक्ति, जिसे सरकारी वचन पत्र की अनुलिपि जारी की गई थी, के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सरकारी वचन पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत की जाती है तो उस स्थिति में लोक ऋण कार्यालय ब्याज तथा परिपक्वता की राशि के भुगतान के संबंध में उस क्षेत्राधिकार के सक्षम न्यायालय का आदेश प्रस्तुत न किए जाने तक भुगतान पर रोक लगायेगा ।

12. वाहक बांड अथवा इनामी बांड का खो जाना - वाहक बांड अथवा इनामी बांड के खो जाने, चोरी हो जाने, कटे-फटे, विरूपित या नष्ट हो जाने पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसकी जगह दूसरा बांड नहीं दिया जाएगा ।

13. स्टॉक प्रमाणपत्र खो जाने आदि की स्थिति से निपटने की प्रक्रिया - (1) पूरा स्टॉक प्रमाणपत्र अथवा उसका कोई हिस्सा खो जाने, चोरी हो जाने, कटे-फटे, विरूपित अथवा नष्ट हो जाने पर

उसका वैध धारक अनुलिपि जारी करने हेतु लोक ऋण कार्यालय में आवेदन कर सकता है और उस आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात होने अपेक्षित हैं -

(क) पंजीकृत डाक से भेजने पर रास्ते में खो जाने पर पत्र के साथ में डाकघर की स्टॉक प्रमाणपत्र होने की रजिस्ट्री रसीद;

(ख) पुलिस रिपोर्ट की एक प्रति, यदि खो जाने अथवा चोरी की रिपोर्ट पुलिस में लिखायी गई हो;

(ग) कार्यकारी मैजिस्ट्रेट के समक्ष लिया गया हलफनामा जिसमें यह सत्यापित किया गया हो कि वही व्यक्ति उस स्टॉक प्रमाणपत्र का वैध धारक है और वह स्टॉक प्रमाणपत्र न तो उसके कब्जे में है और न ही उसके द्वारा हस्तांतरण, गिरवी अथवा अन्य किसी प्रकार से उसका लेनदेन किया गया है; और

(घ) खो गये, चोरी हो गये, कटे-फटे, विरूपित अथवा नष्ट हो गये स्टॉक प्रमाणपत्र का कोई हिस्सा अथवा खंड।

(2) आवेदनपत्र में स्टॉक प्रमाणपत्र की क्षति से संबंधित परिस्थितियों का उल्लेख किया जाए।

(3) यदि स्टॉक प्रमाणपत्र के खो जाने, चोरी हो जाने, कटे-फटे, विरूपित अथवा नष्ट हो जाने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक को समाधान हो जाता है तो स्टॉक प्रमाणपत्र की अनुलिपि जारी कर दी जायेगी।

14. सूची का प्रकाशन - (1) विनियम 11 के उप-विनियम (4) में संदर्भित सूची, यथाशीघ्र, भारत के राजपत्र अथवा संबंधित राज्य के राजपत्र में, जैसी भी स्थिति हो, प्रकाशित की जायेगी।

(2) उप-विनियम (1) में संदर्भित सूची में निम्नलिखित ब्योरे सम्मिलित होंगे -

- (क) ऋण का नाम;
- (ख) प्रतिभूति संख्या;
- (ग) प्रतिभूति का मूल्य;
- (घ) उस व्यक्ति का नाम जिसे प्रतिभूति जारी की गई थी;
- (ङ) किस तारीख से प्रतिभूति पर ब्याज लगता है;
- (च) ब्याज वारंट संख्या और कूपन के ब्योरे;
- (छ) कूपन की तारीख;
- (ज) अनुलिपि हेतु आवेदक का नाम;
- (झ) ब्याज के भुगतान अथवा अनुलिपि जारी करने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पारित आदेश की संख्या तथा तारीख; और
- (ञ) सरकारी राजपत्र की तारीख और ब्योरा जिसमें उसे आवेदक द्वारा अधिसूचित किया गया हो।

15. कटी-फटी प्रतिभूति की अनुलिपि जारी करने या उसके नवीकरण के संबंध में विचार -

यह तय करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को विकल्प होगा कि किसी प्रतिभूति, जो कटी-फटी अथवा विरूपित हो, को ऐसी प्रतिभूति के रूप में माना जाए जिसके संबंध में विनियम 11 या 13 के अंतर्गत उसकी अनुलिपि जारी करने की आवश्यकता हो या विनियम 16 के अंतर्गत उसका नवीकरण किया जाए

16. परिवर्तन, समेकन, उप विभाजन और नवीकरण पर नई प्रतिभूतियां जारी करने की क्रियाविधि - भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी सामान्य अथवा विशेष अनुदेश के अधीन लोक ऋण कार्यालय अपने आदेश द्वारा, सरकारी वचनपत्र के धारक के आवेदन पर-

(क) सरकारी वचनपत्र को शेयर प्रमाणपत्र के रूप में परिवर्तित कर सकता है बशर्ते उक्त वचनपत्र परिपक्व नहीं हुआ हो और न भुनाये गये सभी ब्याज वारंट अभ्यर्पित किये गये हो और उन्हें निम्नानुसार पृष्ठांकित किया गया हो,

(i) केंद्र सरकार के सरकारी वचनपत्र के मामले में "भारत के राष्ट्रपति को अदा करें" और

(ii) किसी राज्य सरकार के सरकारी वचनपत्र के मामले में "..... (संबंधित राज्य का नाम) के राज्यपाल को अदा करें";

(ख) किसी स्टॉक प्रमाणपत्र को नवीकृत, उप विभाजित, समेकित कर सकता है बशर्ते कि उक्त शेयर प्रमाणपत्र परिपक्व नहीं हुआ हो और यथास्थिति, फॉर्म-IX, X, अथवा XI में उसकी रसीद दी गई हो;

(ग) एक ऋण की सरकारी प्रतिभूतियों को अन्य ऋण में परिवर्तित कर सकता है यदि-

(i) अंतर-ऋण परिवर्तन अनुमतियोग्य है; और

(ii) ऐसे परिवर्तन को नियंत्रित करनेवाली शर्तों का पालन किया गया है;

(घ) जैसी स्थिति हो, सरकारी वचनपत्र (पत्रों) अथवा शेयर प्रमाणपत्र (शेयर प्रमाणपत्रों) को शेयरों में परिवर्तित कर सकता है जिन्हें ग्राहक की सहायक सामान्य खाता बही के खाते अथवा बांड बही खाते सहित सहायक सामान्य खाता बही (एसजीएल) में धारक के खाते में जमा के रूप में धारित रखा जाएगा तथा इस प्रकार के सरकारी वचनपत्र (पत्रों) अथवा स्टॉक प्रमाणपत्र (स्टॉक प्रमाणपत्रों) का उन्मोचन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा :-

"निरस्त करने और ... (धारक का नाम) के सहायक सामान्य खाता बही के खाते अथवा ग्राहक सहायक सामान्य खाता बही अथवा बांड खाता बही खाते में जमा करने के लिए प्रस्तुत

धारक के हस्ताक्षर";

(ङ) ग्राहक सहायक सामान्य खाता बही खाते या बांड खाता बही खाते सहित सहायक सामान्य खाता बही (एसजीएल) में धारक के खाते में धारित शेयरों को शेयर प्रमाणपत्र (शेयर प्रमाणपत्रों) के रूप में परिवर्तित कर सकता है बशर्ते लोक ऋण कार्यालय द्वारा अपेक्षित औपचारिकताओं का पालन किया जाता है।

अध्याय V

सारांश निर्धारण और निहितकारी आदेश

17. निहितकारी आदेश जारी करने की क्रियाविधि- (1) किसी सरकारी प्रतिभूति या उस पर ब्याज के भुगतान का हकदार होने का दावा करनेवाला व्यक्ति भारतीय रिजर्व बैंक को आवेदन करेगा और अपने दावे के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

(2) उप विनियम (1) के अंतर्गत आवेदन प्राप्त होने पर यदि बैंक उक्त अधिनियम के अंतर्गत निहितकारी आदेश जारी करने पर विचार करता है, तो बैंक उक्त प्रतिभूति के ब्याज या उसकी

परिपक्वता की राशि के भुगतान को लंबित रख सकता है या उक्त अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत कोई भी आदेश पारित करना या उक्त प्रतिभूति का कोई भी अंतरण उक्त निहितकारी आदेश जारी करने तक स्थगित कर सकता है।

(3) बैंक ऐसे प्रत्येक दावेदार को, जिसकी उसे जानकारी है, लिखित में सूचना देगा जिसमें अन्य सभी दावेदारों के नाम और वह समय उल्लिखित होंगे जब बैंक के अधिकारी द्वारा स्वत्वाधिकार का निर्धारण किया जाएगा।

(4) उक्त सूचना में निर्धारित दिनांक और समय पर उक्त अधिकारी बैंक द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 12 की उप धारा (3) के अंतर्गत दिये गये निदेशों के अनुसार पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की जाँच करेगा और प्रभावित पार्टियों की बात सुनेगा तथा इस प्रकार के साक्ष्य को अभिलिखित करेगा जैसा कि वे प्रस्तुत करेंगे :

बशर्ते उन मामलों में जहाँ जिला मजिस्ट्रेट ने साक्ष्य को अभिलिखित किया है अथवा उनसे अनुरोध किया गया है कि वे साक्ष्य को अभिलिखित करें, आगे कोई और साक्ष्य अभिलिखित नहीं किया जाएगा अथवा उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

(5) अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा(3) के अधीन बैंक द्वारा यथानिदेशित अधिकारी द्वारा मामले का निर्धारण करने के बाद, बैंक प्रत्येक दावेदार को इस प्रकार किये गये निर्धारण की लिखित में सूचना देगा।

(6) उप विनियम (4) और (5) में निर्धारित सूचनाएँ क्रमशः उनके जारी होने की तारीख के बाद यथाशीघ्र निम्नलिखित में प्रकाशित की जाएंगी :

(क) भारत का राजपत्र और स्थानीय सरकारी राजपत्र जहाँ वे केंद्र सरकार की किसी प्रतिभूति से संबंधित हैं, और

(ख) संबंधित राज्य का सरकारी राजपत्र, जहाँ वे किसी राज्य सरकार की प्रतिभूति से संबंधित हैं।

(7) भारतीय रिजर्व बैंक उस व्यक्ति को जो प्रतिभूति या ब्याज के भुगतान या दोनों के लिए हकदार है, निदेश दे सकता है कि वह फार्म-XII में एक बांड निष्पादित करे।

(8) उप विनियम (6) में संदर्भित सूचनाएँ प्रकाशित होने से एक महीने की समाप्ति पर भारतीय रिजर्व बैंक हकदार व्यक्ति के पक्ष में उक्त अधिनियम की धारा 17 के उपबंधों के अधीन उक्त प्रतिभूति के संबंध में एक निहितकारी आदेश जारी कर सकता है।

(9) भारतीय रिजर्व बैंक दस्तावेजी साक्ष्य की प्रस्तुति के अधीन निहितकारी आदेश निम्नलिखित के साथ जारी कर सकता है-

(क) अवयस्क के अभिभावक अथवा पागल व्यक्ति की संपत्ति के प्रबंधक को ब्याज के भुगतान के आहरण तक सीमित स्वत्वाधिकार; तथा

(ख) अवयस्क को वयस्कता की आयु प्राप्त करने पर अथवा पागल व्यक्ति के स्वस्थचित बनने पर प्रभावी होने के लिए अवयस्क या पागल व्यक्ति को पूर्ण स्वत्वाधिकार।

अध्याय VI

सूचना प्रदान करना और दस्तावेजों का निरीक्षण

18. सरकारी प्रतिभूति से संबंधित सूचना प्रदान करने अथवा निरीक्षण के लिए आवेदन - (1)

कोई भी व्यक्ति, बैंक या उसके एजेंट को सरकारी प्रतिभूति के संबंध में सूचना अथवा उसके निरीक्षण के लिए इस विनियमावली के उपबंधों के अधीन आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

(2) उप विनियम (1) के अंतर्गत आवेदन में निम्नलिखित जानकारी होनी चाहिए, अर्थात्:

(क) प्रतिभूति की संख्या;

(ख) ऋण का नाम;

(ग) प्रतिभूति का अंकित मूल्य; और

(घ) उस प्रयोजन का विवरण जिसके लिए सूचना अपेक्षित है और उक्त प्रतिभूति में आवेदक के हित का उल्लेख।

(3) यदि उप विनियम (2) में संदर्भित कोई ब्यौरा आवेदक को नहीं मालूम है तो बैंक अथवा उसका एजेंट अपेक्षित ब्यौरा उपलब्ध होने की स्थिति में वह आवेदक को इस विनियम और विनियम 19 और 20 के उपबंधों के अधीन प्रदान कर सकता है।

19. सूचना प्रदान करने अथवा निरीक्षण के लिए प्राप्त आवेदन का निपटान - (1) यदि आवेदक ऐसी सरकारी प्रतिभूति के संबंध में कोई सूचना माँगता है जो उस व्यक्ति के नाम न होकर जिसने उसका नवीकरण, परिवर्तन, समेकन या उप विभाजन किया है, अन्यथा नवीकृत, परिवर्तित, समेकित या उप विभाजित की गई है, अथवा ऐसी सरकारी प्रतिभूति अथवा उसके संबंध में बैंक या उसके एजेंट द्वारा रखे गये किसी भी रजिस्टर या बही अथवा ऐसे किसी भी रजिस्टर या बही में किसी प्रविष्टि के निरीक्षण की माँग करता है, तो वह आवेदन अस्वीकृत किया जाएगा।

(2) उप विनियम (1) में उल्लिखित मामलों को छोड़कर अन्य मामलों में, बैंक अथवा उसका एजेंट इस बात से संतुष्ट होने पर कि प्रश्नगत सरकारी प्रतिभूति आवेदक के नाम अथवा ऐसे व्यक्ति के नाम है जिसके संबंध में आवेदक का प्रतिनिधिक हित है और इसके अलावा उस सरकारी प्रतिभूति में जिसके विषय में आवेदन किया गया है, आवेदक का वास्तविक हित है, इसके बाद इसमें उल्लिखित उपबंधों के अधीन किसी प्रतिभूति पर किये गये पृष्ठांकन या प्रतिभूति के संबंध में उस कार्यालय द्वारा अनुरक्षित या रखे गये किसी रजिस्टर में की गई किसी प्रविष्टि की प्रमाणित प्रतिलिपि प्रदान कर सकता है :

बशर्ते यदि उक्त सरकारी प्रतिभूति के संबंध में देय राशि के भुगतान के लिए प्रतिभूति निरस्त की गई है तो उस पर पृष्ठांकन की ऐसी कोई भी प्रतिलिपि नहीं दी जाएगी जिसका अर्थ सरकारी प्रतिभूति में आवेदक का हित समाप्त होने के बाद उसे हक प्रदान करना होता है।

(3) यदि आवेदन किसी ब्याज वारंट के निरीक्षण की अनुमति अथवा किसी विशिष्ट छमाही या छमाहियों के लिए ब्याज की अदायगी से संबंधित सूचना प्रदान करने से संबंधित है तो उक्त सूचना बैंक द्वारा दी जा सकती है बशर्ते आवेदक वह व्यक्ति है जिसे ब्याज का भुगतान किया गया है अथवा उसमें उसका वास्तविक हित है।

20. सूचना प्रदान करने अथवा निरीक्षण के संबंध में क्षतिपूर्ति बांड - कोई भी सूचना अथवा निरीक्षण के लिए अनुमति प्रदान करने से पहले बैंक या यथास्थिति उसका एजेंट यदि आवश्यक समझे तो आवेदक से फार्म-XIII में क्षतिपूर्ति का एक बांड संबद्ध सरकारी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों के अंकित मूल्य और निर्गम की तारीख से उस पर अदा किये गये ब्याज की राशि से दुगुनी राशि के लिए निष्पादित करने की अपेक्षा कर सकता है।

अध्याय VII

सरकारी प्रतिभूति को गिरवी रखना, दृष्टिबंधक रखना या उसका धारणाधिकार देना

21. सरकारी प्रतिभूति को गिरवी रखना, दृष्टिबंधक रखना या उसका धारणाधिकार देना - (1)

सरकारी प्रतिभूति का धारक निम्नलिखित के जरिए किसी सरकारी प्रतिभूति को गिरवी रख सकता है, उसे दृष्टिबंधक रख या उसका धारणाधिकार दे सकता है -

(क) गिरवी रखने, दृष्टिबंधक रखने या उस पर बैंक या यथास्थिति उसके एजेंट को धारणाधिकार देने का फॉर्म XIV में तीन प्रतियों में नोटिस जारी करते हुए; और

(ख) उक्त स्टॉक प्रमाणपत्र या उसके संबंध में विधिवत निष्पादित फॉर्म III प्रस्तुत करते हुए; या यथास्थिति सहायक सामान्य बही खाते (एसजीएल) या ग्राहक सहायक सामान्य बही खाते (एसजीएल) या बांड बही खाते में धारित जिस सरकारी प्रतिभूति को गिरवी, दृष्टिबंधक रखना या उसका धारणाधिकार देना है, पर जैसा भी लागू हो, विधिवत निष्पादित फॉर्म III, IV या V प्रस्तुत करते हुए

(2) बैंक या यथास्थिति उसके एजेंट से उप विनियम (1) के खंड (क) में यथा संदर्भित नोटिस प्राप्त होने पर, -

(क) अपने अभिलेखों में उक्त गिरवी, दृष्टिबंधक या धारणाधिकार की सूचना दर्ज कर लेगा और उसकी पुष्टि फॉर्म XIV की अनुलिपि या तीसरी प्रति पर कर लेगा और ऐसी पुष्टि गिरवी, दृष्टिबंधक या धारणाधिकार का निर्णायक प्रमाण होगी; और

(ख) फॉर्म XIV में जहां कहीं भी कोई विसंगति हो, फॉर्म XIV में उसकी अनुलिपि (दूसरी) या तीसरी प्रति पर एक वापसी ज्ञापन जारी करेगा जिस पर उक्त गिरवी, दृष्टिबंधक या धारणाधिकार की सूचना दर्ज न कर लेने का कारण लिख दिया जाएगा।

(3) गिरवीकर्ता या ऋणदाता किसी भी समय, जब उसे उक्त गिरवी, दृष्टिबंधक या धारणाधिकार लागू करने की इच्छा हो तब बैंक या यथास्थिति उसके एजेंट को उक्त सरकारी प्रतिभूतियों को अपने पक्ष में निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ अंतरित करने के लिए दो प्रतियों में फॉर्म XV में आवेदन करेगा अर्थात् -

(क) स्टॉक प्रमाणपत्र, यदि कोई हो;

(ख) फॉर्म-XIV जिसमें बैंक अथवा उसके एजेंट ने, जैसी भी स्थिति हो, गिरवी अभिलिखित किए जाने की पुष्टि की है; और

(ग) फॉर्म-III, IV अथवा V जो सरकारी प्रतिभूति के लिए लागू होगा और जिसका निष्पादन सरकारी प्रतिभूति धारक द्वारा गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार के समय किया गया।

(4) बैंक अथवा उसका एजेंट, जैसी भी स्थिति हो, उप-विनियम (3) के अंतर्गत आवेदन प्राप्त होने पर

(क) अपनी बहियों में गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार किए जाने तथा गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता के पक्ष में प्रतिभूतियां हस्तांतरित करना अभिलिखित करेंगे और उसी प्रकार आवेदन फार्म-XV की अनुलिपि में दर्ज करके पुष्टि की जाए; अथवा

(ख) यदि कोई अनियमितता पायी जाती है तो प्रतिभूतियों को गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता के नाम में हस्तांतरित न किए जाने का कारण बताते हुए गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता को आवेदन फार्म-XV की अनुलिपि में वापसी ज्ञापन जारी करे।

(5) गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता, किसी भी समय, सरकारी प्रतिभूतियों की बैंक की बहियों अथवा उसके एजेंट के पक्ष में अंतरण के पंजीकरण से पहले बैंक को, अथवा उसके एजेंट को, जैसी भी स्थिति हो, गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार आवेदन पंजीयन को निरस्त करने के लिए आवेदन फार्म-XVI में तीन प्रतियों सहित आवेदन कर सकते हैं।

(6) बैंक अथवा उसका एजेंट, जैसी भी स्थिति हो, उप-विनियम (5) के अंतर्गत आवेदन प्राप्त होने पर

(क) अपनी बहियों में पंजीकृत गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार को निरस्त करेगा और इसी प्रकार आवेदन फार्म-XVI की द्वितीय एवं तृतीय प्रति में निरस्तीकरण दर्ज करके पुष्टि करेगा; और

(ख) गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता को गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार निरस्त न किए जाने का कारण बताते हुए आवेदन फार्म-XVI की दूसरी और तीसरी प्रति पर वापसी ज्ञापन जारी करेगा।

(7) गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार के सृजन के समय निष्पादित फार्म-III, IV अथवा V सरकारी प्रतिभूति के संबंध में सृजित गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार की मीयाद तक वैध रहेगा।

(8) इस विनियमावली में निर्धारित फार्मों में, अंतरण फार्म, गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार की सूचना, गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार की पुष्टि, गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार के निरस्त करने अथवा किए जाने हेतु आवेदन अथवा वापसी ज्ञापन, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) की धारा 2 के खंड (त) में दी गई परिभाषा के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप में निष्पादित किए जाएं।

22. गिरवी, दृष्टिबंधक और धारणाधिकार के संबंध में सामान्य प्रावधान - (1) बैंक अथवा, यथास्थिति, सरकार गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार का सृजन करने वाले व्यक्ति अथवा गिरवीकर्ता, ऋणदाता अथवा किसी भी व्यक्ति के प्रति, गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार की शर्तों अथवा तत्समय लागू किसी अन्य कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता द्वारा की गई गिरवी, दृष्टिबंधक से होने वाली किसी हानि के प्रति उत्तरदायी नहीं होगी।

(2) बैंक अथवा, यथास्थिति, उसका एजेंट

(क) फार्म-XIV, XV अथवा XVI की प्राप्ति पर विनियम 21 के अंतर्गत अपेक्षित कार्रवाई करने से पहले, किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी सूचना अथवा दावे पर विचार नहीं करेगा;

(ख) विनियम 21 के अंतर्गत अपेक्षित कार्रवाई इस प्रकार से करेगा जैसेकि उसे इस प्रकार की कोई सूचना अथवा दावा प्राप्त ही नहीं हुआ है।

(3) बैंक अथवा उसके एजेंट द्वारा गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता, जैसी भी स्थिति हो, की पूर्ण सहमति के बिना ऐसी किसी भी सरकारी प्रतिभूति का अंतरण उसके धारक द्वारा नहीं किया जाएगा जिसके संबंध में गिरवी, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार लागू है।

(4) जिस सरकारी प्रतिभूति के संबंध में बैंक अथवा उसके एजेंट, जैसी भी स्थिति हो, की बहियों में गिरवी रखना, दृष्टिबंधक अथवा धारणाधिकार दर्ज किया गया है, चुकौती के लिए परिपक्व होती है, तो परिपक्वता की राशि गिरवीकर्ता अथवा ऋणदाता की लिखित सहमति एवं फार्म-XVI के विधिवत् निष्पादन के बिना प्रतिभूति धारक को देय नहीं होगी।

स्पष्टीकरण; विनियम 21 और इस विनियम के प्रयोजन के लिए,-

(क) "गिरवीकर्ता" से आशय उस व्यक्ति से है जिसके पक्ष में सरकारी प्रतिभूति गिरवी रखी गई है;

(ख) "ऋणदाता" से आशय उस व्यक्ति से है जिसके पक्ष में सरकारी प्रतिभूति दृष्टिबंधक की गई है अथवा जिसके संबंध में धारणाधिकार का सृजन किया गया है।

अध्याय VIII

ब्याज और परिपक्वता की राशि का भुगतान

23. ब्याज का भुगतान - सरकारी प्रतिभूति पर ब्याज का भुगतान और उसकी प्राप्ति-सूचना निम्न प्रकार से होगी, अर्थात्,-

(1) सरकारी वचनपत्र - जिन मामलों में बाद की तारीख के ब्याज वारंट जारी नहीं किए गए हैं, बैंक द्वारा उन मामलों में ब्याज का भुगतान सरकारी वचनपत्र प्रस्तुत किये जाने पर ब्याज वारंट जारी करके, अथवा धारक की इच्छा पर, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उसके बैंक खाते में जमा द्वारा किया जाएगा।

(2) स्टॉक अथवा बांड - बांड लेजर खाते में धारित स्टॉक अथवा बांड पर ब्याज का भुगतान बैंक अथवा उसके एजेंट द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, ब्याज वारंट जारी करके, अथवा धारक की इच्छा पर, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उसके बैंक खाता में जमा द्वारा किया जाएगा।

(3) वाहक बांड - वाहक बांड के ब्याज का भुगतान, जहां कहीं लागू हो, ऐसे किसी व्यक्ति को, जो ब्याज पाने की पात्रता का कूपन प्रस्तुत करता है, उस लोक ऋण कार्यालय अथवा ट्रेजरी अथवा सब-ट्रेजरी से किया जाएगा, जहां ब्याज भुगतान के लिए बांड पंजीकृत है अथवा उस पर जिसका नाम लिखा गया है।

(4) इस विनियमावली के प्रावधानों में किसी बात के होते हुए भी, बैंक सरकारी प्रतिभूति पर ब्याज के भुगतान की व्यवस्था ऐसे किसी भी स्थान पर कर सकता है जिसका उल्लेख उसमें न हो अथवा ऐसे किसी भी माध्यम से कर सकता है जिसका उल्लेख उसमें न हो।

24. प्रतिभूति का मोचन - (1) सरकारी प्रतिभूति पर देय परिपक्वता की राशि को प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित किसी भी रूप में धारित अर्थात् :

- (क) सरकारी वचनपत्र; अथवा
- (ख) वाहक बांड; अथवा
- (ग) राजकोष बचत जमा प्रमाणपत्र; अथवा
- (घ) सुरक्षा जमा प्रमाणपत्र;

प्रतिभूति को उस कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा जिस कार्यालय पर प्रतिभूति पर ब्याज देय हो अथवा अधिवास स्थान के लोक ऋण कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए और उसके पीछे हस्ताक्षरित किया जाएगा, केवल धारक द्वारा वाहक-बांड के मामले में ऐसा नहीं किया जाएगा, और वाहक बांड, के मामले में कूपन अथवा कूपनों, यदि कोई हो, को मूलधन के भुगतान की तारीख की पूर्ववर्ती छमाही हेतु बांड अथवा बांडों के साथ अभ्यर्पित करना होगा।

(2) (क) सहायक सामान्य खाता-बही अथवा ग्राहक सहायक सामान्य खाता-बही में धारित स्टॉक के मामले में, परिपक्वता की राशि का भुगतान उस लोक ऋण कार्यालय द्वारा भुगतान आदेश जारी करते हुए किया जाएगा जहां उक्त स्टॉक का पंजीकृत है अथवा भारतीय रिजर्व बैंक में उसके चालू खाते में जमा करके अथवा धारक के ऐसे किसी बैंक में किसी अन्य खाते में जमा करके किया जाएगा जहां इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धन प्राप्त करने की सुविधा हो;

(ख) बैंक अथवा उसके एजेंट के पास बांड खाता-बही में धारित सरकारी प्रतिभूति के मामले में, परिपक्वता की राशि का भुगतान लोक ऋण कार्यालय अथवा एजेंट द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, भुगतान आदेश जारी करके अथवा धारक के ऐसे किसी बैंक खाते में जमा करके किया जाएगा जहां इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धन प्राप्त करने की सुविधा हो;

(ग) ऐसे स्टॉक के मामले में जिनके लिए स्टॉक प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं, परिपक्वता की राशि का भुगतान उस लोक ऋण कार्यालय द्वारा भुगतान आदेश जारी करते हुए किया जाएगा जहां स्टॉक प्रमाणपत्र पंजीकृत है अथवा धारक के ऐसे किसी बैंक खाते में जमा करके किया जाएगा जहां इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धन प्राप्त करने की सुविधा हो;

(घ) प्रतिभूतियों के संबंध में भुगतान करने के प्रयोजन से, ऐसी सरकारी प्रतिभूतियों के मूल अभिदाता अथवा बाद के धारक, जैसी भी स्थिति हो, बैंक अथवा उसके एजेंट को जिसकी बहियों में उन सरकारी प्रतिभूतियों को पंजीकृत किया गया है, अपने बैंक खाते से संबंधित ब्यौरा प्रस्तुत करेगा।

(3) सरकारी प्रतिभूति के पंजीकृत धारक को उप-विनियम (2) के प्रावधानों के अनुसार, परिपक्वता तारीख को किए गए परिपक्वता की राशि के भुगतान को, उसपर देय भुगतान की वैध उन्मोचन माना जाएगा।

(4) इनामी बांड, परिपक्व होने पर भुगतान के लिए लोक ऋण कार्यालय अथवा ऐसे कार्यालय को प्रस्तुत किया जाएगा जिसे सरकार द्वारा ऋण से संबंधित इनामी बांड के अभिदान की शुरुआत के समय निर्गम कार्यालय के रूप में प्राधिकृत किया गया हो।

(5) सुरक्षा जमा प्रमाणपत्र को परिपक्वता पर धारक द्वारा विधिवत् उन्मोचित किया जाएगा और भुगतान के लिए लोक ऋण कार्यालय, नई दिल्ली को प्रस्तुत किया जाएगा।

(6) यदि लोक ऋण कार्यालय के मत में सरकारी प्रतिभूति का हक संदिग्ध हो तो वह, दावाकर्ता व्यक्ति से यह अपेक्षा कर सकता है कि वह फार्म-XII में बांड निष्पादित करे जिसमें लोक ऋण कार्यालय द्वारा

अनुमोदित एक या अधिक जमानतदार हों, अथवा बैंक के पक्ष में एक क्षतिपूर्ति बांड प्रस्तुत करे जिसका मूल्य प्रतिभूति के मूल्य के दो गुने से अधिक न हो और जिसमें बांड अथवा प्रतिभूति को किसी भी व्यक्ति को सौंपने का अधिकार हो।

(7) उप-विनियम (1) में उल्लिखित प्रतिभूतियों के संबंध में भुगतान लोक ऋण कार्यालय द्वारा उस व्यक्ति को सद्भावना एवं बिना किसी असावधानी के करेगा जो उसका अंतिम धारक होगा और इस प्रकार से किया गया भुगतान उक्त प्रतिभूति के अंतर्गत बैंक और सरकार को उसके दायित्व से मुक्त करेगा।

25. चुकाई गई, नवीकृत, परिवर्तित आदि प्रतिभूतियों का निपटान - सरकारी प्रतिभूति जिसके संबंध में अनुलिपि अथवा नई सरकारी प्रतिभूति जारी की गई हो अथवा जिसका मोचन भुगतान द्वारा कर दिया गया हो, बैंक द्वारा उसका निपटान छिद्रित, पंच करके, काट करके अथवा बैंक द्वारा आवश्यक समझे जानेवाले अन्यथा तरीके से इस प्रकार किया जाए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल प्रतिभूति का दुरुपयोग नहीं होगा।

अध्याय IX

शुल्क

26. शुल्क - (1) सरकारी प्रतिभूति के प्रत्येक नवीकरण, परिवर्तन या उप-विभाजन के लिए बीस रुपये का शुल्क देय होगा और अनुलिपि प्रतिभूति के लिए सौ रुपये का शुल्क देय होगा -

बशर्ते निम्नलिखित के लिए कोई शुल्क देय नहीं होगा -

(क) सरकारी वचनपत्र के स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में परिवर्तन होने या उसके ग्राहक के सहायक सामान्य बही खाते सहित सहायक सामान्य बही खाते (एसजीएल) में राशि जमा होने या स्टॉक प्रमाणपत्र का ग्राहक के सहायक सामान्य बही खाते सहित सहायक सामान्य बही खाते में जमा के परिवर्तन के संबंध में; या

(ख) सरकारी प्रतिभूतियों के समेकन के संबंध में; या

(ग) सरकारी वचन पत्र (त्रों) के पिछले पृष्ठ पर अंकित ब्याज सारणियों (केज) को भरने अथवा स्टॉक प्रमाणपत्र (त्रों) के पिछले पृष्ठ पर अंकित हस्तांतरण पृष्ठांकन सारणियों के भरे जाने पर होने वाले नवीकरण के संबंध में।

(2) विनियम 18 या 19 के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूति के संबंध में सूचना प्राप्त करने के लिए दस रुपये का शुल्क और विनियम 19 के अंतर्गत दी जानेवाली प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रत्येक पृष्ठ के लिए दो रुपये की राशि नकदी रूप में उचित रसीद पर, या बैंक को देय मांग ड्राफ्ट या बैंक चेक से देय होगी।

प्रबाल सेन, प्रधान मुख्य महाप्रबंधक

[विज्ञापन-3/4/38/07-असा.]

फार्म - I

[देखें विनियम 3 (2)]

**सहायक सामान्य खाता-बही या ग्राहकों की
सहायक सामान्य खाता-बही खाते के ब्यौरे**

1. सदस्य (सदस्यों) या खाता धारक (धारकों) का/के नाम:-
2. जैसा भी मामला हो, सहायक सामान्य खाता-बही (एसजीएल)/ग्राहकों की सहायक सामान्य खाता-बही (सीएसजीएल) खाता संख्या:-
3. खाते का प्रकार:-
4. चालू खाता संख्या / निपटान खाता संख्या / सदस्य/खाताधारक की नामित बैंक निपटान खाता संख्या:-
5. लेनदेनों के ब्यौरे निम्नलिखित मदों सहित:-
 - क. प्रतिपक्ष पार्टी का नाम:-
 - ख. प्रतिपक्ष पार्टी की सदस्य पहचान:-
 - ग. लेनदेन राशि:-
 - घ. शेष राशि:-
 - ड. लेनदेन संदर्भ:-
 - च. लेनदेन का प्रकार:-
 - छ. लेनदेन की तारीख:-
 - ज. लेनदेन का विवरण:-
 - झ. भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड के लेनदेन की संदर्भ संख्या:-
6. प्रतिभूति का नाम निम्न सूचना सहित:-
 - क. प्रतिभूति का अंकित मूल्य:-
 - ख. प्रतिभूति की परिपक्वता तारीख:-
 - ग. प्रतिभूति जारी करने वाले सरकार का नाम:-
 - घ. ब्याज दर:-
 - ड. अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पहचान संख्या (आइएसआइएन):-
7. कुल मुक्त शेष:-
8. प्रत्याशित शेष राशि:-
9. गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार के अधीन रहनेवाली प्रतिभूतियों के ब्यौरे:-
10. स्थायी खाता संख्या (पी ए एन):-

फार्म - II**[विनियम 3(3) देखें]****बांड - बही खाता संबंधी ब्यौरे**

1. निवेशक का नाम:-
2. बांड बही-खाता संख्या:-
3. योजना (योजनाओं) का नाम:-
4. अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पहचान संख्या (आइएसआइएन):-
5. निवेश के ब्यौरे निम्नलिखित मदों सहित:-
 - (क) निवेश की तारीख:-
 - (ख) संचयी / असंचयी:-
 - (ग) निवेश की राशि:-
 - (घ) निवेश संख्या:-
6. अंतरण के ब्यौरे:-
7. चुकौती के ब्यौरे:-
8. नामांकन के ब्यौरे:-
9. निवेशक के बैंक खाते संबंधी ब्यौरे:-
10. भुगतान विकल्पों के ब्यौरे (ईसीएस/ईएफटी/एनईएफटी/आरटीजीएस/भुगतान आदेश/ब्याज वारंट) :-
11. गिरवी या दृष्टिबंधक या धारणाधिकार के अधीन निवेश के ब्यौरे:-
12. निवेशक की स्थायी खाता संख्या (पीएएन):-

फार्म - III**[विनियम 4(1) (ग) और 21 देखें]****स्टॉक प्रमाणपत्र का हस्तांतरण**

मैं/हम* ----- (हस्तांतरणकर्ता) एतद्वारा ----- प्रतिशत के सरकारी ऋण के रुपये के स्टॉक प्रमाणपत्र सं.-----/र.-----के स्टॉक अंश और उस पर उपचित ब्याज सहित जैसा कि इस लिखत में कहा गया है, हस्तांतरिती/यों व्यक्तियों, उसके/उनके निष्पादकों, प्रशासकों या उसके अधिकार प्राप्त व्यक्तियों को अपने/हमारे हित समानुदेशित और हस्तांतरित करता हूँ/करते हैं और मैं/हम* ----- (हस्तांतरिती) एतद्वारा जिस सीमा तक मुझे प्रमाणपत्र सं.----- मुझे/हमें हस्तांतरित की गयी है, मैं/हम* उसे बिना किसी शर्त के स्वीकार करने के लिए तैयार हूँ।

मैं/हम* ----- (हस्तांतरणकर्ता) एतद्वारा अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें हस्तांतरित स्टॉक प्रमाणपत्र के पंजीकृत धारक होने के कारण, उपर्युक्त स्टॉक प्रमाणपत्र मुझे/हमें जिस सीमा तक हस्तांतरित किया गया है, मेरे/हमारे नाम/नामों से पुनर्नवीकरण/मेरे/हमारे नाम/नामों में बदल दिया जाए।

@मैं/हम*----- (हस्तांतरणकर्ता) एतद्वारा अनुरोध करता हूँ /करते हैं कि उपर्युक्त हस्तांतरिती स्टॉक प्रमाणपत्र के पंजीकृत धारक होने पर एतद्वारा उसे/उन्हें हस्तांतरित किया जाए, इस स्टॉक प्रमाणपत्र को जिस सीमा तक हस्तांतरित नहीं किया गया है, मेरे/हमारे नाम/नामों से पुनर्नवीकरण कर दिया जाये।

हमारी तरफ से साक्षी के रूप में वर्ष दो हजार और केदिन

-----** के समक्ष ऊपर निर्दिष्ट हस्तांतरणकर्ता/ओं द्वारा हस्ताक्षरित	हस्तांतरणकर्ता के हस्ताक्षर----- पता ----- -----
-----** के समक्ष ऊपर निर्दिष्ट हस्तांतरणकर्ता /ओं के द्वारा हस्ताक्षरित	हस्तांतरिती के हस्ताक्षर----- ----- ---

* जो लागू न हो, उसे काट दें।

@ इस पैराग्राफ का प्रयोग केवल तभी किया जायेगा जब किसी स्टॉक प्रमाणपत्र का कोई हिस्सा अंतरित किया जा रहा हो।

* * साक्षी के हस्ताक्षर, व्यवसाय तथा पता, हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरिती के लिए साक्षी भिन्न होनी चाहिए।

हस्तांतरित

जारी स्टॉक प्रमाणपत्र सं. -----दिनांक -----
प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक -----

फार्म-IV

[विनियम 4 (1) (घ) और 21 देखें]

भारतीय रिजर्व बैंक में सरकारी प्रतिभूतियों से संबंधित ग्राहकों की सहायक सामान्य खाता-बही (एसजीएल) सहित ग्राहकों की सामान्य खाता-बही (सीएसजीएल) खाते में धारित स्टॉक के हस्तांतरण

विक्रेता की संदर्भ संख्या

खरीदार की संदर्भ संख्या

क) प्रतिभूति अंतरण

1. हस्तांतरणकर्ता (विक्रेता) का/के नाम _____ एसजीएल या सीएसजीएल खाता (नामे के लिए)

2. हस्तांतरिती (खरीदार) का/के नाम _____ एसजीएल या सीएसजीएल खाता (जमा के लिए)

3. यदि बिक्री ग्राहक की ओर से हो तो ग्राहक का नाम _____

4. यदि खरीद ग्राहक की ओर से हो तो ग्राहक का नाम _____

5. सरकारी प्रतिभूति के ब्यौरे

क्रम सं.	प्रतिभूति का नाम	आइएस आइएन	अंकित मूल्य (रुपए में)	प्रतिभूति का बिक्री मूल्य (प्रतिशत में)	प्रतिभूति की कुल लागत (रु.) (बिक्री मूल्य / 100 X अंकित मूल्य)	उपचित ब्याज (रु.)

(ख) लेनदेन के ब्यौरे - एकमुश्त और रेपो लेनदेनों के प्रथम चरण दोनों पर लागू

1. लेनदेन का प्रकार-एकमुश्त /रिपो

2. क्या यह रिजर्व बैंक या अंतर बैंक रिपो है।

3. संविदा की तारीख

4. निपटान की तारीख

5. आय कर यदि कोई हो, (रु.)

6. अन्य भुगतान यदि कोई हो, (रु.)

7. प्रतिफल राशि (शब्दों में) रुपये

दलाल की राशि :

8. खरीदार के लिए रु.

दलाली की कूट सं.

दलाल की राशि :

9. विक्रेता के लिए रु.

दलाली की कूट सं.

(ग) रिपो लेन-देन के संबंध में विवरण :

1. पुनः क्रय की तारीख :

2. पुनः क्रय करार दर :

(दूसरा चरण)(प्रतिशत में)

3. पुनः क्रय चरण के लिए प्रस्तावित राशि (शब्दों में)..... रु.

हम एतद्वारा यथास्थिति मद ख(7) तथा अथवा ग (3), में विनिर्दिष्ट किये गये अनुसार प्रस्तावित राशि से इस प्रयोजन हेतु निर्धारित हमारे उपर्युक्त उल्लिखित एसजीएल या सीएसजीएल खातों से नामे (डेबिट)/जमा (क्रेडिट) करने और चालू खातों/निपटान खातों में जमा (क्रेडिट)/नामे (डेबिट) करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को प्राधिकृत करते हैं।

वर्ष महीने के दिन को हस्ताक्षरित

हस्तांतरणकर्ता के हस्ताक्षर :

हस्तांतरिती के हस्ताक्षर :

पैन सं. :

पैन सं. :

(इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुति की स्थिति में, हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरिती के एसजीएल खाते और चालू खाते के लिए प्राधिकृत अधिकारियों के डिजिटल हस्ताक्षर वास्तविक हस्ताक्षर को प्रतिस्थापित करेंगे।

टिप्पणी :

1. हस्तांतरण फार्म पर हस्ताक्षर करने की तारीख के बाद एक कार्य दिवस के भीतर तथा निपटान की तारीख को या उसके पहले फार्म भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुत किया जाए, ऐसा न होने पर फार्म अस्वीकार्य होगा।
2. फार्म में दिए गए सभी अनुदेशों का अनुपालन किया जाए, ऐसा न होने पर, फार्म अस्वीकार्य होगा।
3. अधिदेश के अनुसार एसजीएल या सीएसजीएल खाते के लिए निर्दिष्ट या उससे जुड़ा चालू खाता परिचालित किया जाएगा।
4. रिपो लेनदेनों की स्थिति में, उपर्युक्त मद (ग) के तहत दिए गए विवरण के अनुसार लेनदेन के पुनः क्रय चरण को प्रभावी करने के लिए इस फार्म पर विचार किया जाएगा।
5. ग्राहकों की ओर से किये गये लेनदेन मूल (एसजीएल खाता धारक) के पास रखे गये ग्राहकों के खाते में अविलंब प्रभावी किये जाएंगे।

फार्म- V

[विनियम 4(1)(ड) तथा 21 देखें]

भारतीय रिज़र्व बैंक में सरकारी प्रतिभूतियों से संबंधित बांड लेजर खाते में धारित प्रतिभूतियों के हस्तांतरण

मैं/हम* (हस्तांतरणकर्ता) एतद्वारा रुपए/के बांड लेजर खाते में बांडों के अपने/हमारे* हित या अंश जो को चुकौती के लिए देय संचित ब्याज के साथ बांड लेजर खाता सं..... में धारित रुपए बांडों की राशि/भाग है, को (हस्तांतरिती)/ उसके/उनके निष्पादकों, नियंत्रकों या समनुदेशितियों को सौंपते और हस्तांतरित करते हैं तथा मैं/हम* (हस्तांतरिती) को रुपए की राशि के उपर्युक्त बांड लेजर खाता सं. के बांड मुक्त रूप से स्वीकार करते हैं।

मैं/हम* (हस्तांतरिती) एतद्वारा अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* हस्तांतरित किए गए बांड के धारक/धारकों के रूप में पंजीकृत किया जाए और मेरे/हमारे बांड लेजर सं.* में जमा (क्रेडिट) करते हुए मेरे/हमारे नाम* से एक बांड लेजर खाता खोला जाए।

@मैं/हम* (हस्तांतरणकर्ता) एतद्वारा अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि उक्त बांड के धारक (धारकों) के रूप में पंजीकृत उपर्युक्त हस्तांतरिती (हस्तांतरितियों) को उन्हें* उक्त बांड हस्तांतरित किया जाए, उस सीमा जहां तक उन्हें/उनको* बांड हस्तांतरित नहीं किया गया है, मेरे/हमारे* बांड लेजर खाता सं..... में चालू रखा जाए।

साक्षी के रूप में, दो के के दिन हमने हस्ताक्षर किये हैं।

..... की उपस्थिति में उपर्युक्त हस्तांतरणकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित**	हस्तांतरणकर्ता के हस्ताक्षर..... पता :
..... की उपस्थिति में उपर्युक्त हस्तांतरिती द्वारा हस्ताक्षरित **	हस्तांतरिती के हस्ताक्षर.....

* : जो लागू न हो, उसे काट दें।

@ : बांड के किसी एक भाग का हस्तांतरण होने पर ही इस पैरा का प्रयोग किया जाए।

** : साक्षी के हस्ताक्षर, व्यवसाय और पता। हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरिती दोनों के लिए साक्षी अलग हो।

फार्म-VI
[विनियम 7 देखें]
नामांकन

मैं/हम(नाम और पता) ऋण के लिए स्टॉक प्रमाणपत्र/बीएलए सं..... के धारक एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को नामित करते हैं जिन्हें मेरी/हमारी मृत्यु होने पर सरकारी प्रतिभूतियों/बांडों पर तथा फिलहाल नीचे निर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियों/बांडों पर देय राशि का भुगतान प्राप्त करने का अधिकार होगा :

नामिती का विवरण :

निर्गम की तारीख	राशि रु.	चुकोती की तारीख	नामिती के विस्तारित आक्षेप के साथ पूरा नाम और पता	अवयस्क होने पर जन्म की तारीख	धारक (धारकों) के साथ संबंध	बैंक खाते का विवरण

नामिती के अवयस्क होने पर भरा जाए : चूंकि इस तारीख को उपर्युक्त एकमात्र नामिती.....अवयस्क है, मैं/हम उक्त नामिती.....की अवयस्कता के दौरान मेरी/हमारी मृत्यु होने पर फिलहाल उपर्युक्त सरकारी प्रतिभूतियों/बांडों पर देय राशि प्राप्त करने के लिए श्री/श्रीमती/कुमारी..... को नियुक्त करते हैं।

यदि नामांकन पहले से किए गए नामांकन का प्रतिस्थापन हो: यह नामांकन मेरे/हमारे द्वारा दिनांक..... को और में आपकी बहियों में पंजीकृत नामांकन का प्रतिस्थापन है जो इस नामांकन के पंजीकरण के पश्चात रह हो जाएगा।

स्थान : (स्टॉक प्रमाणपत्र धारक/धारकों)/बीएलए
दिनांक : धारक(धारकों) के हस्ताक्षर

साक्षियों के नाम एवं पते के साथ हस्ताक्षर :

1.
2.

पावती

हम ऋण के लिए स्टॉक प्रमाणपत्र/बीएलए सं.....के लिए(नामिती का नाम) के पक्ष में नामांकन पंजीकृत करने की सूचना देते हैं और नामांकन पंजीकरण सं. है। नामांकन में परिवर्तन करने या रह करने से संबंधित सभी पत्राचार में कृपया उपर्युक्त नामांकन पंजीकरण संख्या उद्धृत करें।

दिनांक: प्राधिकृत अधिकारी:

फार्म-VII
[विनियम 7 देखें]

नामांकन रद्द करना

मैं/हम (नाम और पता) एतद्द्वारा निम्नलिखित स्टॉक प्रमाणपत्र/बांड लेजर खाता(बीएलए) सं. और जो लोक ऋण कार्यालय/एजेंसी बैंक की शाखा द्वारा दिनांक (तारीख) के पंजीकरण सं..... के द्वारा पंजीकृत है, के संबंध में मेरे/हमारे द्वारा दिनांक..... को किए गए नामांकन को रद्द करते हैं।

स्टॉक प्रमाणपत्र/बांडों के विवरण

निर्गम की तारीख	ऋण का नाम	स्टॉक प्रमाणपत्र/ बीएलए सं.	राशि (रुपए)

स्थान : (स्टॉक प्रमाणपत्र धारक/धारकों)/बीएलए
दिनांक : धारक(धारकों) के हस्ताक्षर

साक्षियों के नाम एवं पते के साथ हस्ताक्षर :

1.
2.

पावती

हम ऋण के लिए स्टॉक प्रमाणपत्र/बीएलए सं.....के लिए हमारे दिनांक के नामांकन पंजीकरण सं..... के द्वारा (नामिती का नाम) के पक्ष में दर्ज नामांकन को रद्द करने की सूचना देते हैं।

दिनांक: प्राधिकृत अधिकारी:

फॉर्म -VIII

[विनियम 11(3) देखें]

खोए हुए (चुराए गए, नष्ट हुए, कटे-फटे या विरूपित) सरकारी वचनपत्र की अधिसूचना

मूल रूप में -----के नाम में रहनेवाले और अंतिम रूप से इस अधिसूचना जारीकर्ता को पृष्ठांकित रु. के (ऋण का नाम)..... के सरकारी वचनपत्र सं., जिसने कि खोए (चुराए, नष्ट हुए, कटे-फटे या विरूपित) जाने की स्थिति में कभी भी किसी अन्य व्यक्ति को इन्हें पृष्ठांकित नहीं किया है, के बारे में एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपर्युक्त वचनपत्र या वचनपत्रों का भुगतान या उस पर मिलनेवाले ब्याज के भुगतान पर लोक ऋण कार्यालय में रोक लगा दी गई है और यह कि इस अधिसूचना जारीकर्ता के पक्ष में एक अनुलिपि जारी करने संबंधी आवेदन पत्र अभी किया जा रहा है। जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपर्युक्त वचनपत्र या वचनपत्रों को न तो खरीदें नहीं अन्यथा कोई कार्य करें। जनता से अनुरोध है कि यदि उन्हें उपर्युक्त सरकारी वचनपत्र या वचनपत्रों के बारे में जानकारी मिलती है तो वे इसकी सूचना इस अधिसूचना जारीकर्ता को निम्नलिखित पते पर दें।

अधिसूचना जारीकर्ता का नाम :

पता :

फॉर्म IX

[विनियम 16(ख) देखें]

स्टॉक प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए पृष्ठांकन का फॉर्म

इसके बदले में के नाम रु..... के प्रतिशत के ऋण का नवीकृत स्टॉक प्रमाणपत्र पर देय ब्याज सहित प्राप्त हुआ ।

पंजीकृत धारक/विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि (पंजीकृत धारक का नाम) के हस्ताक्षर.....

फॉर्म X

[विनियम 16(ख) देखें]

स्टॉक प्रमाणपत्र के उप-विभाजन के लिए पृष्ठांकन

रु. के इस स्टॉक प्रमाणपत्र के एवज में क्रमशः के प्रतिशत ऋण के ब्याज के साथ पर देय स्टॉक प्रमाणपत्र प्राप्त हुए ।

पंजीकृत धारक/विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि (पंजीकृत धारक का नाम) के हस्ताक्षर.....

फॉर्म XI

[विनियम 16(ख) देखें]

स्टॉक प्रमाणपत्रों के समेकन के लिये पृष्ठांकन

..... के प्रतिशत ऋण के क्रमशः रु. के स्टॉक प्रमाणपत्र सं. के एवज में के प्रतिशत ऋण के ब्याज के साथ पर देय स्टॉक प्रमाणपत्र प्राप्त हुए ।

पंजीकृत धारक/विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि (पंजीकृत धारक का नाम) के हस्ताक्षर.....

फॉर्म XII

[विनियम 24(6) देखें]

सुरक्षा बांड

यह करार एक पक्षके पुत्र/पुत्री/ पत्नी..... निवासी
और दूसरा पक्ष भारतीय रिजर्व बैंक के बीच माह के दिन किया जाता है ।

जबकि मैं/हम इसके साथ अनुबंधित अनुसूची 'ए' में विनिर्दिष्ट सरकारी वचनपत्रों
के वास्तविक और कानूनी मालिक हूँ/हैं।

और जबकि मैंने/हमने भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, के पास
उक्त सरकारी वचनपत्रों की अनुलिपि जारी करने/चुकाती करने के लिए आवेदन किया है और
उक्त बैंक ने मेरे द्वारा रु.....की जमानत जिससे कि किसी हकदार(कानूनी) मालिक द्वारा इस
प्रकार दावा किए जाने पर उसकी पूर्ति की जाएगी, देने पर ऐसा करने की सहमति दी है।

अब यहां उपस्थित इस बात के साक्षी हैं कि उपर्युक्त करार के अनुसरण में मैं/हम स्वयं यह
दायित्व लेते हैं कि मैं/हम उक्त प्रतिभूतियों के किसी हकदार (कानूनी) मालिक द्वारा इस प्रकार
दावा किए जाने पर उसकी पूर्ति करेंगे और मैं/हम आगे यह भी स्वीकार करते हैं कि यह बांड
उक्त बैंक द्वारा रख लिए जाएंगे और उक्त बैंक उक्त प्रतिभूतियों के किसी हकदार
(कानूनी)मालिक को ये बांड सौंप सकता है ।

जिसके साक्ष्य में मैंने/हमने वर्ष के..... माह के.....दिन को अपने नाम नीचे
लिख दिए हैं ।

यहां उल्लिखित व्यक्ति द्वारा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए
गए।

मूल व्यक्ति

मैं/हम के पुत्र/पुत्री/पत्नीके निवासी
श्री/श्रीमतीएतद्वारा वचन देते हैं कि यदि उक्त मूल व्यक्ति/
मूल व्यक्ति उपर्युक्त करार के कारण दावे का भुगतान करने में चूक जाते हैं तो इसकी अनुसूची
में उल्लिखित सरकारी वचनपत्रों के किसी हकदार (कानूनी) मालिक द्वारा किए जानेवाले किसी दावे
की पूर्ति करेंगे।

यहां उल्लिखित व्यक्ति द्वारा की उपस्थिति में हस्ताक्षर
किए गए।

जमानतकर्ता

बांड में संदर्भित अनुसूची "क"

प्रतिभूति का नाम	नियत संख्या	जारी करने की तारीख	राशि

फार्म - XIII

[विनियम 20 देखें]

क्षतिपूर्ति बांड

जबकि.....के निवासी मैं/हम.....श्री.....के/की पुत्र/पुत्री/पत्नी, और(के निवासी के पुत्र/पुत्री/पत्नी) इसके नीचे लिखी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रतिभूति(यों) के (यहां वचनपत्रों पर दावा किस हैसियत से किया गया है वह लिखें) पात्र होने का दावा करते हैं और हमने भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, को अभ्यावेदन किया है कि उक्त प्रतिभूति (यों) है (हैं) और भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय,..... के पास उक्त प्रतिभूति (यों) के तथा उक्त प्रतिभूति(यों) के संबंध में अन्य समस्त जानकारी एवं ब्यौरों के निरीक्षण के लिए आवेदन किया है और जबकि भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय ने इसके निरीक्षण करने की सहमति दी है तथा उक्त प्रतिभूति को प्रभावित करनेवाली समस्त जानकारी एवं ब्यौरे मुझे/हमें देना स्वीकार किया है, मैं/हम अपने वारिसों और समनुदेशिनी जो भी हो (यदि बांड केवल एक व्यक्ति से लिया गया हो तो इसे छोड़ दिया जाए) के प्रति संयुक्त रूप से और पृथक रूप से दायित्व लेते हैं कि हम भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, और सरकार को रु. की सीमा तक उन्हें सभी और ऐसे किसी दावे, प्रश्न और व्यय से मुक्त करने की गारंटी और रक्षा प्रदान करते हैं जो उक्त वचनपत्र(त्रों) और /या प्रतिभूतियों के संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय या सरकार के विरुद्ध हैं या उनके द्वारा वहन किए जाएंगे।

इसके साक्ष्य में मैंने/हमने अपने नाम वर्ष माह के दिन को नीचे लिख दिये हैं।

यहां उल्लिखित व्यक्ति द्वारा..... की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

आवेदक के हस्ताक्षर

(पूर्ववर्ती बांड में संदर्भित अनुसूची)

फॉर्म - XIV

[विनियम 21(1), (2), (3) तथा 22(2) देखें]

सरकारी प्रतिभूतियों को गिरवी/दृष्टिबंधक रखने/धारणाधिकार का नोटिस

सेवा में, क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक लोक ऋण कार्यालय	सेवा में, प्रबंधक सीएसजीएल खाताधारक का नाम पता	सेवा में, प्रबंधक एजेंट का नाम पता
---	--	--

प्रिय महोदय,

कृपया अवगत हों कि मैंने/हमने _____ [धारक(कों) का नाम] निम्नलिखित अनुसूची 'ए' में निर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियों / को _____ (गिरवीकर्ता(ओं)/ऋणदाता(ओं) के नाम) के पास गिरवी/ दृष्टिबंधक रखा है/धारणाधिकार¹ दिया है। अंतरण फॉर्म विधिवत निष्पादित करके गिरवीकर्ता² के पास जमा किया गया है। कृपया आप अनुसूची 'ए' में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के संबंध में गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार अपनी लेखा-बहियों में अभिलिखित कर अनुगृहीत करें।

भवदीय,

धारक (कों)/ऋणकर्ता(ओं) के हस्ताक्षर तथा नाम.....

डाक का पता.....

गिरवीकर्ता(ओं)/ऋणदाता(ओं) के हस्ताक्षर तथा नाम.....

डाक का पता.....

दिनांकित..... का..... दिन

अनुसूची 'ए'

प्रतिभूति तथा आइएसआइएन का नाम	मूर्त प्रतिभूति की नियत सं.	एसजीएल/सीएसजीएल/बांड लेजर खाता सं.	परिपक्वता की तारीख	प्रतिभूति का अंकित मूल्य

टिप्पणी: (i) यह फॉर्म तीन प्रतियों में प्रस्तुत करना है। यदि काउंटर पर प्रस्तुत किया गया तो काउंटर रसीद जारी की जाएगी। लोक ऋण कार्यालय मूल प्रति को अपने पास रखेगा। लोक ऋण कार्यालय की बहियों में गिरवी/दृष्टिबंधक रखने/धारणाधिकार दर्ज (रिकॉर्ड) करने की पुष्टि दूसरी तथा तीसरी प्रति में की जाएगी। धारक (कों)/ऋणकर्ता(ओं) या गिरवीकर्ता (ओं)/ऋण दाता(ओं) को विधिवत हस्ताक्षर की हुई काउंटर रसीद देकर इन प्रतियों को प्राप्त करने की व्यवस्था करनी होगी।

¹ एसजीएल, सीएसजीएल खाता या बीएलए में धारित प्रतिभूतियों पर दृष्टिबंधक, ग्रहणाधिकार के मामले में इसे काट दिया जाए।

² दृष्टिबंधक/ धारणाधिकार के मामले में इसे काट दिया जाए।

(ii) यदि यह फार्म काउंटर के अलावा अन्य किसी स्थान पर प्रस्तुत किया जाता है, तो फार्म की दूसरी और तीसरी प्रति डाक/कुरिअर द्वारा डाक पते पर भेजी जाएगी।
केवल कार्यालयीन प्रयोग हेतु

वापसी मेमो

गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार की सूचना निम्नलिखित कारण (कारणों) से लोक ऋण कार्यालय की खाता-बहियों में दर्ज नहीं की जा सकी।

- प्रतिभूतियों/खाता संख्या (संख्याओं) के ब्योरो में विसंगतियां।
- धारकों के नामों में विसंगतियां।
- फार्म अपूर्ण है।
- अनुलग्नकों का उचित रूप से संकलन नहीं किया गया है।
- हस्ताक्षर मेल नहीं खाते।
- गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार के लिए प्रतिभूति योग्य नहीं है।
- प्रतिभूति पहले से ही अन्य ऋणदाता के पक्ष में गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार के अधीन है।
- प्रतिभूति के संबंध में दावे लंबित हैं।
- रोक लगाई गई है।
- अन्य कोई कारण

प्राधिकृत अधिकारी

पुष्टि

पुष्टि की जाती है कि गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार की सूचना लोक ऋण कार्यालय/ सीएसजीएल खाता धारक/एजेंट की खाता-बहियों में दर्ज की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी

फार्म - XV

[विनियम 21(3), (4) एवं 22(2) देखें]

गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूतियों के
हस्तांतरण के लिए आवेदन

सेवा में, क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक लोक ऋण कार्यालय	सेवा में, प्रबंधक सीएसजीएल खाता धारक का नाम पता:	सेवा में, प्रबंधक एजेंट का नाम पता:
---	---	--

महोदय,

गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार को नीचे दी गई अनुसूची 'क' में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों पर सृजित किया गया है। मैं/हम अब निम्नलिखित दस्तावेजों को जमा करते हैं, यथा :

- (1) मूल स्क्रिप्ट¹
- (2) गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार की पुष्टि करने वाला फार्म-XV और
- (3) हमारे पक्ष में निष्पादित हस्तांतरण विलेख [गिरवी सृजित करते समय]²

मैं/हम अनुरोध करते हैं कि अनुसूची 'क' में विनिर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियों को मेरे/हमारे पक्ष में आपकी खाता-बहियों में अंतरित किया जाए।

भवदीय/भवदीया,

ऋणदाता(ओं) के हस्ताक्षर और नाम

डाक का पता

दिनांक के का दिन
(वर्ष) (माह)

¹ एसजीएल, सीएसजीएल या बीएलए खाते में रखी प्रतिभूतियों के मामले में इसे काट दिया जाए।

² दृष्टिबंधक और धारणाधिकार के मामले में काट दिया जाए।

* जो लागू नहीं है, उसे काट दिया जाए।

अनुसूची 'क'

प्रतिभूति का नाम और आईएसआईएन	मूर्त प्रतिभूतियों की नियत संख्या	एसजीएल/सीएसजीएल/ बांड लेजर खाता संख्या	परिपक्वता की तारीख	प्रतिभूति का अंकित मूल्य
------------------------------------	--------------------------------------	---	-----------------------	-----------------------------

--	--	--	--	--

टिप्पणी: (i) इस फार्म को दो प्रतियों में जमा करना होगा। यदि काउंटर पर जमा किया जाता है तो काउंटर रसीद जारी की जाएगी। लोक ऋण कार्यालय मूल प्रति अपने पास रखेगा। लोक ऋण कार्यालय की बहियों में ऋणदाता(ओं) के पक्ष में प्रतिभूतियों के हस्तांतरण होने की पुष्टि अनुलिपि पर जारी की जाएगी। ऋणदाता(ओं) को विधिवत रूप से हस्ताक्षर की हुई काउंटर रसीद देकर उसे प्राप्त करने की व्यवस्था करनी होगी।

(ii) यदि इस फार्म को काउंटर के अलावा अन्य स्थान पर जमा किया जाता है तो पत्राचार के पते पर पोस्ट/कूरियर द्वारा फार्म की अनुलिपि प्रेषित की जाएगी।

केवल कार्यालयीन प्रयोग हेतु

वापसी मेमो

प्रतिभूतियों को ऋणदाता(ओं) के पक्ष में लोक ऋण कार्यालय की खाता-बहियों में निम्नलिखित कारण (कारणों) से अंतरित नहीं किया जा सका:

- प्रतिभूतियों/खाता संख्या (संख्याओं) के ब्योरो में विसंगतियां।
- धारकों के नाम(नामों) में विसंगति
- फार्म अपूर्ण है।
- अनुलग्नकों का उचित रूप से संकलन नहीं किया गया है।
- हस्ताक्षर मेल नहीं खाते।
- प्रतिभूति के संबंध में दावे लंबित हैं
- रोक लगाई गई है।
- अन्य कोई कारण

प्राधिकृत अधिकारी

पुष्टि

पुष्टि की जाती है कि प्रतिभूतियों के संबंध में दर्ज किए गए गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार को रद्द किया गया है और प्रतिभूतियों को ऋणदाता(ओं) के पक्ष में लोक ऋण कार्यालय की खाता-बहियों में अंतरित कर दिया गया है।

प्राधिकृत अधिकारी

फार्म - XVI

[विनियम 21(5), (6) और 22(2), (4) देखें]

गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार रद्द करना

सेवा में, क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक लोक ऋण कार्यालय	सेवा में, प्रबंधक सीएसजीएल खाता धारक का नाम पता.....	सेवा में, प्रबंधक एजेंट का नाम पता.....
--	---	--

प्रिय महोदय,

अनुसूची 'क' में सूचीबद्ध सरकारी प्रतिभूतियों के धारक (धारकों) ने उक्त सरकारी प्रतिभूतियों का मेरे/हमारे पक्ष में गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार* सृजित किया था। मैं/हम फार्म-XV की अनुलिपि मूल रूप में संलग्न करते हैं, जिसमें आपकी खाता-बहियों में उक्त गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार* के अभिलेखन के बारे में पुष्टि की गई है और यह अनुरोध करते हैं कि उक्त गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार को रद्द किया जाए तथा यह कि उक्त सरकारी प्रतिभूतियों के संबंध में अपनी खाता-बहियों से गिरवीकर्ता (गिरवीकर्ताओं)/ऋणदाता (ऋणदाताओं) के रूप में मेरे/हमारे नाम (नामों को) हटा दिया जाए।

भवदीय,

गिरवीकर्ता (गिरवीकर्ताओं)/ऋणदाता (ऋणदाताओं) के हस्ताक्षर

और नाम.....

डाक का पता.....

..... के की तारीख
(वर्ष) (माह)

* जो लागू नहीं हों उन्हें काट दिए जाए।

अनुसूची 'क'

प्रतिभूति का नाम और आईएसआईएन	मूर्त प्रतिभूतियों की नियत संख्या	एसजीएल/सीएसजीएल/ बांड लेजर खाता सं.	परिपक्वता की तारीख	प्रतिभूति का अंकित मूल्य
------------------------------------	--------------------------------------	--	-----------------------	-----------------------------

टिप्पणी: (i) यह फार्म तीन प्रतियों में जमा करना होगा। यदि इन्हें काउंटर पर जमा किया जाता है तो काउंटर रसीद दी जाएगी। लोक ऋण कार्यालय मूल प्रति रख लेगा। लोक ऋण कार्यालय की बही में रद्द किए गए गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार की पुष्टि दूसरी और तीसरी प्रतियों पर जारी की जाएगी। धारक/उधारकर्ता अथवा गिरवीकर्ता/ऋणदाता विधिवत रूप से हस्ताक्षर की गई रसीद काउंटर पर देकर उन्हें प्राप्त करने की व्यवस्था करेगा।

(ii) यदि, इस फॉर्म को काउंटर की जगह कहीं दूसरे स्थान पर जमा किया जाता है तो फार्म की दूसरी और तीसरी प्रतियां डाक/कूरियर द्वारा डाक के पते पर भेजी जाएंगी। केवल कार्यालय के उपयोग के लिए

वापसी मेमो

गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार का निरस्तीकरण निम्नलिखित कारण/कारणों से लोक ऋण कार्यालय की बही-खातों में दर्ज (रिकॉर्ड) नहीं किया जा सका।

- प्रतिभूतियों/खाते/खातों की सं. के विवरण में विसंगतियां।
- धारकों के नामों में विसंगतियां।
- फॉर्म अधूरा भरा हुआ है।
- अनुलग्नकों को ठीक तरह से संकलित नहीं किया गया।
- हस्ताक्षर मेल नहीं खाते।
- कोई अन्य कारण।

प्राधिकृत अधिकारी

पुष्टि

पुष्टि की जाती है कि लोक ऋण कार्यालय के बही-खातों में गिरवी/दृष्टिबंधक/धारणाधिकार को रद्द कर दिया गया है।

प्राधिकृत अधिकारी

RESERVE BANK OF INDIA**(Department of Government and Bank Accounts)****(CENTRAL DEBT DIVISION)****NOTIFICATION**

Mumbai, 1st December, 2007

In exercise of the powers conferred by section 32 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), the Reserve Bank of India, with the previous approval of the Central Government, makes the following regulations, namely:-

CHAPTER I**PRELIMINARY**

1. Short title and commencement. - (I) These regulations may be called the Government Securities Regulations, 2007.

(2) These regulations shall come into force with effect from December 1, 2007.

2. Definitions. - (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, -

(a) "Act" means the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006);

(b) "Defaced security" means a security which has become illegible or rendered undecipherable in material parts thereof; and the material parts of such security are those where -

(i) the security number, loan to which it belongs to and the face value of the security or payments of interest are recorded; or

(ii) the endorsement or the name of the payee is written or the transfer is executed; or

(iii) the renewal is recorded;

(c) "Form" means a form as set out in the Schedule to these regulations;

(d) "Lost security" means a security which has been lost but does not include a security which is in possession of some person adversely to the claimant;

(e) "Mutilated security" means a security which has been destroyed, torn or damaged in material parts thereof and the material parts of such security are those where -

(i) the security number, loan to which it belongs to and the face value of the security or payments of interest are recorded; or

(ii) the endorsement or the name of the payee is written or the transfer is executed; or

(iii) the renewal is recorded.

Explanation: For the purposes of this clause, a security shall be deemed to have been damaged, if the security has been treated or transformed in such a

manner that it is impossible to touch and feel the security or endorse it by writing and putting the seal or signature thereon;

- (f) "Officer of the Bank" means the officer posted by the Bank to perform the duties under the Act;
- (g) "Public Debt Office" means the office of the Bank in whose books the Government security is registered or may be registered;
- (h) "Scheduled bank" means a bank included in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (2) Words and expressions used in these regulations and not defined herein but defined in the Act shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

FORMS AND TRANSFER OF GOVERNMENT SECURITIES AND RECOGNITION OF TITLE TO SECURITY OF DECEASED

3. Subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account and bond ledger account. - (1) Subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account and bond ledger account may be maintained in an electronic form or in a dematerialized form in accordance with the provisions of the Depositories Act, 1996 (22 of 1996).

(2) Subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account shall contain such particulars as provided in Form - I.

(3) Bond ledger account shall contain such particulars as provided in Form - II.

4. Transfer of Government securities. - (1) Government securities in different forms shall be transferable in the following manner, namely:-

(a) **Government promissory note.** - It shall be transferable by endorsement and delivery and no endorsement of a Government promissory note shall be valid unless such endorsement is made by the signature of the holder or his duly constituted attorney or representative, inscribed on the back of the security itself, for negotiation of total amount denominated by the security;

(b) **Bearer bond.** - It shall be transferable by delivery and the person in possession of the bond shall be deemed to be the holder of the bond;

(c) **Stock certificate.** - Stock for which stock certificate has been issued shall be transferable before maturity either wholly or in part by execution of an instrument of transfer in Form - III and the transferor shall continue to be the holder thereof until the Bank registers the name of the transferee as the holder of the stock;

(d) **Subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account.** - Stock held at the credit of the holder in a subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account with the Bank shall be transferable before maturity either wholly or in part by execution of an instrument of transfer in Form - IV and the transferor shall continue to be the holder of such security to which the transfer relates until the Bank registers the name of the transferee as the holder.

(e) **Bond ledger account.** - A Government security held in a "bond ledger account" with the Bank or its Agent shall be transferable before maturity either wholly or in part by execution of an instrument of transfer in Form - V by the holder of the security and the transferor shall continue to be the holder of such security until the Bank, or, as the case may be, its agent registers the name of the transferee.

(2) Government securities held in subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account or bond ledger account, shall also be transferable by execution of a transfer deed in an electronic form under digital signature as defined in clause (p) of sub-section (1) of section 2 of the Information Technology Act, 2000 (21 of 2000).

5. Execution of a document or endorsement by a person unable to write. - (1) If a person is unable to execute any document relating to a security, or to make endorsement thereon, he may apply to the Executive Magistrate to execute the document, or make endorsement on his behalf and subject to such person producing sufficient documentary evidence about his identity, and satisfying the Executive Magistrate that such person has understood the implications of such execution or endorsement, as the case may be, the Executive Magistrate may do so on his behalf in the manner as provided in sub-regulation (2).

(2) Where any such document is to be executed or an endorsement is to be made by an Executive Magistrate under this regulation on behalf of any person, the Executive Magistrate shall execute the document or make the endorsement in the presence of that person, and shall record below such document or endorsement, a certificate to the effect that the document was executed or the endorsement was made, as the case may be, at the request of that person, after explaining him the implications of such execution or endorsement, and that he is satisfied that such person has fully understood the explanation so made to him.

6. Recognition of title to Government security of a deceased holder. - (1) In addition to the documents referred to in sub-sections (1) and (2) of section 7 of the Act, where a decree, order or direction passed by any court declaring the person as referred to therein, as having title to the Government security or appointing a receiver to take possession of the security is produced or a certificate issued or order passed by any other authority who might have been empowered under any statute to declare any person as having title to the Government security, is produced by a claimant for recognition of his title in respect of the security held by a deceased holder, the Bank, or, as the case may be, its agent may recognize his claim on the basis of any of such documents, subject to its satisfaction with respect to the legality, genuineness, and

finality thereof, and of the fact that there is no rival claim in respect of such Government security.

(2) In addition to the documents referred to in sub-regulation (1), and subject to the provisions of sub-regulations (3) and (4), the Bank, or, as the case may be, its agent, on its satisfaction of the fact that there is no rival claim in respect of the Government security, may recognize the title of a person to a Government security on the basis of following documents, namely:-

- (a) a "will" executed by the deceased holder of the Government security bequeathing thereby the security in favour of the person claiming title thereto, provided the probate issued in respect of such will has been submitted to the Bank by the claimant; or
- (b) a registered deed of family settlement, wherein the Government security claimed has been included and given to the claimant; or
- (c) a gift deed executed in accordance with the law relating thereto, in respect of the Government security claimed; or
- (d) a deed of relinquishment executed by other legal heir or successor of the deceased in accordance with law in favour of the claimant in respect of the Government security claimed; or
- (e) a decree passed by a foreign court in respect of the Government security claimed, the execution whereof is permissible in accordance with the provisions of section 44A of the Civil Procedure Code, 1908 (5 of 1908); or
- (f) a deed of partition executed and acted upon in accordance with law, wherein the Government security claimed has been included and given to the share allotted to the claimant.

(3) While considering the recognition of title to the Government security, on the basis of any of the documents referred to in sub-regulations (1) and (2), the Bank, or, as the case may be, its agent may satisfy itself about the legality, genuineness, and finality of the referred documents and for that purpose may call for any other document or declaration, as it may consider necessary.

(4) Without prejudice to the provisions of this regulation, while recognizing title to the Government security, the Bank, or, as the case may be, its agent may, if it considers necessary, also require the claimant to furnish a bond of indemnity for such amount as it may think fit.

CHAPTER III

NOMINATION

7. Nomination in respect of Government securities. - The person making or cancelling the nomination in respect of a stock certificate shall submit the Form - VI or the Form - VII, as the case may be, along with the stock certificate, or the Form - VI or the Form - VII, only, in respect of bond ledger account, as the case may be, and on receipt of such forms, the Public Debt Office shall, register in its books the nomination or the cancellation, as the case may be, and forward to such person an endorsement on the stock certificate or an acknowledgement to the effect that

nomination, or cancellation, has been made in its books as per the form submitted by the applicant.

8. Nomination in case of minor. - While making nomination in favour of a minor, the sole holder of the Government security or all the joint holders together, as the case may be, may appoint another individual not being a minor, to receive the proceeds of the Government security on behalf of the nominee in the event of the death of the sole holder or all the joint holders during the minority of the nominee, as the case may be.

9. Effect of nomination on renewal, etc. - (1) The rights which a nominee or nominees have acquired in relation to a Government security under a nomination duly made and registered under regulation 7 shall not be affected by reason of the renewal or sub-division of the stock certificate or the issue of the duplicate stock certificate on the ground that the original has been lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced, and the nominee or nominees shall have the same rights in relation to the renewed stock certificate or each of the stock certificates issued on sub-division or the duplicate stock certificate:

Provided that where a security is sub-divided in pursuance of a transfer of a part of such stock certificate, nothing in this sub-regulation shall apply to the new stock certificate issued to the transferee.

(2) Notwithstanding anything contained in regulation 16, a stock certificate which is subject to nomination in favour of a person or persons shall not be consolidated with any other stock certificate unless the latter is also subject to nomination in favour of the same person or persons, and where two or more such stock certificates are consolidated, the person or persons shall have the same rights in relation to the consolidated security as he or they had in relation to each of the stock certificates so consolidated.

CHAPTER IV

ISSUE OF DUPLICATE OR NEW GOVERNMENT SECURITIES

10. Procedure for issue of duplicate Government security, etc. - (1) When a Government security is lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced, the person entitled thereto shall apply for the issue of a duplicate security in the manner laid down in regulations 11 and 13, to the Public Debt Office at which the security is registered with a statement showing particulars, such as security number, amount of security and nomenclature of the loan.

(2) In respect of Government securities which have matured or mature during the process of the issue of duplicate Government security, the Public Debt Office, after following the procedure laid down in regulations 11 and 13, shall pay the maturity proceeds and accrued interest thereon instead of issuing the duplicate Government security.

11. Procedure when a Government promissory note is lost, etc. - (1) The application for the issue of a duplicate Government promissory note which is stated to

have been lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced either wholly or in part shall be accompanied by -

(a) a statement containing the following particulars, namely:-

- (i) the last half-year for which interest has been paid;
- (ii) the person to whom such interest was paid;
- (iii) the person in whose name the note was issued (if known);
- (iv) particulars of coupons attached (if any);
- (v) the place for payment of interest at which the note was for the time being enfaced;
- (vi) the circumstances relating to the loss, theft, destruction, mutilation or defacement; and
- (vii) whether the loss or theft was reported to the police, if so, a copy of police report shall be enclosed;

(b) the post office registration receipt for the letter containing the Government promissory note, if the same was lost in transmission by registered post;

(c) where the last payment of interest was not made by a warrant issued by the Public Debt Office, a letter signed by the officer of the treasury, or, as the case may be, sub-treasury, where interest was last paid, certifying the last payment of interest on the Government promissory note and stating the name of the holder to whom such payment was made;

(d) (i) if the applicant is not the holder in whose name the Government promissory note was originally issued, an affidavit sworn before the Executive Magistrate testifying that the applicant was the last legal holder of the Government promissory note;

(ii) all documentary evidence necessary to trace back the title to the original holder; and

(e) any portion or fragments of the lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced of the Government promissory note.

(2) A copy of the letter to the Public Debt Office, excluding its enclosures, shall also be sent to the treasury, or, as the case may be, sub-treasury, where interest is payable.

(3) The loss, theft, destruction, mutilation or defacement of a Government promissory note or portion thereof, shall be notified by the applicant-

(a) in the Gazette of India, in case of a Government promissory note of the Central Government, and in the local Official Gazette, if any, of the place where the loss, theft, destruction, mutilation or defacement occurred;

(b) in the Official Gazette of the State concerned, in case of a Government promissory note of the State Government and if the loss, theft, destruction, mutilation or defacement occurred at a place outside that State, also in the Official Gazette of that State; and

such notification shall be in Form - VIII, or as nearly in such form as circumstances permit.

(4) After the publication of the notification under sub-regulation (3), the Bank shall, if it is satisfied about the loss, theft, destruction, mutilation or defacement of the Government promissory note and the justification of the claim of the applicant, cause the particulars of the Government promissory note to be included in a list such as is referred to in regulation 14 hereunder and thereafter Public Debt Office may -

(a) pay interest to the applicant and issue to him a duplicate thereof in place of such Government promissory note of which a portion has been so lost, stolen, destroyed, mutilated, defaced, or, as the case may be, if the remaining portion of such Government promissory note, sufficient for its identification, has been produced; or

(b) pay interest to the applicant and issue to him the duplicate thereof, three months after the publication of the said list, if no portion of such Government promissory note, sufficient for its identification, has been produced; or

(c) pay interest to the applicant and issue to him the duplicate thereof immediately after the date of the publication of the said list, if the Government promissory note has been lost by enemy action.

(5) If at any time before the issue of duplicate Government promissory note the original thereof is discovered, the order passed under sub-regulation (4) shall be rescinded and all action on the order shall be suspended.

(6) The Bank may, at any time, before passing an order for the issuance of a duplicate Government promissory note, on sufficient reason, alter or, as the case may be, cancel any order made by it under this regulation and may also direct that the interval before the issue of a duplicate Government promissory note shall be extended by such period not exceeding three years as it may think fit.

(7) The Public Debt Office may seize and cancel the original Government promissory note where the original Government promissory note is presented after the issue of the duplicate Government promissory note by the person to whom the duplicate Government security was issued.

(8) The Public Debt Office shall record stoppage of payment of interest and maturity proceeds in respect of such Government promissory note where the original Government promissory note is presented after the issue of the duplicate Government promissory note by a person other than the one to whom the duplicate was issued until an order of a Court of competent jurisdiction regarding the payment of interest and maturity proceeds is produced.

12. Loss of a bearer bond or a prize bond. - When a bearer bond or prize bond is lost, stolen, mutilated, defaced or destroyed, the Bank shall not replace it.

13. Procedure when a stock certificate is lost, etc. - (1) Where the stock certificate is lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced, either wholly or in part, the legal holder of that stock certificate may apply for the issuance of a duplicate stock certificate to the Public Debt Office and such application shall be accompanied by -

- (a) the post office registration receipt for the letter containing the stock certificate, if the same was lost in transmission by registered post;
- (b) a copy of the police report, if the loss or theft was reported to the police;
- (c) an affidavit sworn before the Executive Magistrate testifying that the applicant is the legal holder thereof and it is neither in his possession nor has it been transferred, pledged or otherwise dealt with by him; and
- (d) any portions or fragments which may remain of the lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced stock certificate.

(2) The circumstances relating to the loss of the stock certificate shall be mentioned in the application.

(3) The Bank shall, if it is satisfied about the loss, theft, destruction, mutilation or defacement of the stock certificate, issue a duplicate stock certificate.

14. Publication of list. - (1) The list referred to in sub-regulation (4) of regulation 11 shall, as soon as possible, be published in the Gazette of India or in the Official Gazette of the State concerned, as the case may be.

(2) The list referred to in sub-regulation (1) may contain the following particulars, namely -

- (a) the nomenclature of the loan;
- (b) the security number;
- (c) the value of the security;
- (d) the person to whom the security was issued;
- (e) the date from which the security bears interest;
- (f) the interest warrant number and coupon details;
- (g) the date of coupon;
- (h) the name of the applicant for a duplicate;
- (i) the number and the date of the order passed by the Bank for payment of the interest or issue of a duplicate; and
- (j) date and particulars of the Official Gazette in which it was notified by the applicant.

15. Consideration of a mutilated security for issuance of its duplicate or renewal. - It shall be at the option of the Bank to treat a security which has been mutilated or defaced as a security requiring issuance of a duplicate thereof under the regulations 11 or 13 or for renewal under regulation 16.

16. Procedure for issue of new securities on conversion, consolidation, subdivision and renewal. - Subject to any general or special instructions of the Bank, the

Public Debt Office may, by its order, on the application of the holder of the Government Promissory Note -

(a) convert the Government promissory note into stock certificate provided that the promissory note has not matured and all un-encashed interest warrants are surrendered and has been endorsed,

(i) in the case of Government promissory note of the Central Government, "Pay to the President of India" and

(ii) in the case of Government promissory note of a State Government "Pay to the Governor of (the name of the State concerned)";

(b) renew, sub-divide, consolidate a stock certificate provided that the stock certificate has not matured and has been receipted in Form - IX, X, or XI, as the case may be;

(c) convert Government securities of one loan into another loan if -

(i) the inter-loan conversion is permissible; and

(ii) the conditions governing such conversion are complied with;

(d) convert the Government promissory note (s) or stock certificate (s), as the case may be into stock to be held at the credit of the account of the holder in the subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account or bond ledger account and such Government promissory note (s) or stock certificate (s) is to be discharged in the form as under: -

"Tendered for cancellation and credit to (name of the holder) 's subsidiary general ledger account or constituents' subsidiary general ledger account or bond ledger account

Signature of the holder";

(e) convert stock held at the credit of the holder's account in the subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account or bond ledger account into stock certificate (s) subject to compliance with such formalities as the Public Debt Office may require.

CHAPTER V

SUMMARY DETERMINATION AND VESTING ORDER

17. Procedure for making vesting order. - (1) The person claiming to be entitled to a Government security or the payment of interest thereon shall apply to the Bank and adduce documentary evidence in support of his claim.

(2) On receipt of the application under sub-regulation (1), if the Bank contemplates making a vesting order under the Act, the Bank may suspend the payment of interest or the maturity proceeds of the security or postpone the passing of any order under section 11 of the Act or the registration of any transfer of the security until the vesting order has been made.

(3) The Bank shall give notice, in writing to each claimant of whom it has knowledge, stating the names of all other claimants and the time when the officer of the Bank by whom the determination of title shall be made.

(4) On the date and time fixed in the notice, the officer, as directed by the Bank under sub-section (3) of section 12 of the Act, shall examine the evidence adduced by the parties and hear the parties affected and record such evidence as they may adduce:

Provided that no further evidence shall be recorded or entertained in cases where the District Magistrate has recorded the evidence or has been requested to have the evidence recorded.

(5) After determination of the issue by the officer, as directed by the Bank under sub-section (3) of section 12 of the Act, the Bank shall give notice in writing to each claimant of the determination so made.

(6) The notices laid down in sub-regulation (4) and (5) shall be published in:

(a) the Gazette of India and the local Official Gazette where they relate to a security of the Central Government, and

(b) the Official Gazette of the State concerned, where they relate to security of a State Government,

as soon as possible after the date on which they are respectively issued.

(7) The Bank may direct the person who is entitled to the security or payment of interest or both, to execute a bond in Form – XII.

(8) On the expiry of one month from the date of publication of the notices referred to in sub-regulation (6), subject to the provisions of section 17 of the Act, the Bank may make a vesting order in respect of the security in favour of such person who is entitled.

(9) The Bank, subject to production of documentary evidence, may make vesting order, with -

(a) a title limited to drawal of interest, in guardian of a minor or a manager of the property of an insane person; and

(b) full title, in the minor or the insane person to take effect on the minor attaining the age of majority or on the insane person becoming sane.

CHAPTER VI**GRANT OF INFORMATION AND INSPECTION OF DOCUMENTS**

18. Application for grant of information or inspection relating to Government security. - (1) A person may submit an application to the Bank or its agent for information regarding Government security or inspection thereof subject to the provisions of this regulation.

(2) An application under sub-regulation (1) shall contain the following, namely:-

- (a) security number;
- (b) nomenclature of the loan;
- (c) face value of security; and
- (d) a statement of the purpose for which the information is required as well as the interest of the applicant in the security.

(3) If any of the particulars referred to in sub-regulation (2) are not known to the applicant, the Bank or its agent may supply the required particulars, if available, to the applicant subject to provisions of this regulation and regulations 19 and 20.

19. Disposal of application for grant of information or inspection. - (1) If the applicant asks for any information in respect of Government security which has been renewed, converted, consolidated, sub-divided otherwise than in the name of the person who has renewed, converted, consolidated or sub-divided, or asks for inspection of such security, or any register or book kept or maintained by the Bank or its agent in respect thereof or of any entry of such Government security in such register or book, the application shall be refused.

(2) In other cases, other than the cases referred to in sub-regulation (1), the Bank or its agent may, subject to the provisions hereinafter mentioned, grant a certified copy of an endorsement on a Government security or an entry in any register or book maintained or kept by that office relating to any Government security, on being satisfied that the security in question has stood in the name of the applicant, or of a person in whom the applicant has a representative interest, and further that the applicant has a bona fide interest in the security in respect of which the application is made:

Provided that if the Government security has been cancelled on payment of the due thereof, no copy of endorsement thereon shall be granted which purports to give a title subsequent to the termination of the applicant's interest in the Government security.

(3) If the application relates to the grant of permission for inspection of an interest warrant or information relating to payment of interest for a specific half-year or half-years, the information may be granted by the Bank, provided that the applicant was the person to whom interest was paid or has a bonafide interest in the same.

20. Indemnity bond in connection with grant of information or inspection. - Before furnishing any information or granting permission for inspection, the Bank, or, as the case may be, its agent may, if it considers necessary, require the applicant to execute a bond of indemnity in Form - XIII for an amount twice the face value of Government security or securities involved and the interest paid thereon from the date of issue.

CHAPTER VII

PLEDGE, HYPOTHECATION OR LIEN OF GOVERNMENT SECURITY

21. Pledge, Hypothecation or Lien of Government security. - (1) The holder of a Government security may create a pledge, hypothecation or lien in respect of a Government security by-

- (a) issuing a notice of pledge, hypothecation or lien to the Bank, or, as the case may be, its agent, in triplicate in Form - XIV; and
- (b) submitting the stock certificate and the duly executed Form - III in relation thereto; or the duly executed Forms - III, IV or V, as may be applicable to the Government security, where a pledge, hypothecation, or lien is to be created for the Government security held in subsidiary general ledger account or constituents' subsidiary general ledger account or bond ledger account, as the case may be.

(2) The Bank, or, as the case may be, its agent may on receipt of the notice as referred to in clause (a) of sub-regulation (1), -

- (a) record the pledge, hypothecation or lien in its records and confirm the same on the duplicate and triplicate of the Form - XIV and such confirmation shall be conclusive proof of the creation of pledge, hypothecation or lien; and
- (b) where any discrepancy is found in the Form - XIV, issue a return memo on the duplicate and triplicate of the notice in Form - XIV, stating the reasons for not recording the pledge, hypothecation or lien.

(3) The pledgee or creditor, at any time, when wants to invoke the pledge, hypothecation or lien may file an application in Form - XV in duplicate, to the Bank, or, as the case may be, its agent for transferring the Government securities in his favour alongwith the following documents, namely, -

- (a) the stock certificate, if any;
- (b) Form - XIV wherein the Bank, or, as the case may be, its agent has confirmed the recording of pledge; and
- (c) Forms - III, IV or V which may be applicable to the Government security and was executed at the time of creation of pledge, hypothecation or lien by the holder of the Government security.

(4) The Bank, or, as the case may be, its agent may on receipt of the application under sub-regulation (3) -

(a) record in its books, the invocation of pledge, hypothecation or lien and transfer of the securities in favour of the pledgee or the creditor and confirm the same on the duplicate of the application in Form - XV; or

(b) issue a return memo to the pledgee or creditor on the duplicate of the application in Form - XV, if any discrepancy is found, stating the reasons for not transferring the securities in the name of the pledgee or the creditor.

(5) The pledgee or the creditor may, at any time, before the registration of transfer of the Government securities in the books of the Bank or its agent in his favour, apply to the Bank, or, as the case may be, its agent in Form - XVI in triplicate for cancellation of such pledge, hypothecation or lien application registration.

(6) The Bank, or, as the case may be, its agent may on receipt of the application under sub-regulation (5) -

(a) record the cancellation of pledge, hypothecation or lien registered in its books and confirm the cancellation on the duplicate and triplicate of the application in Form - XVI; and

(b) issue a return memo on the duplicate and triplicate of the application in Form - XVI to the pledgee or the creditor, stating therein the reasons for not cancelling the pledge, hypothecation or lien.

(7) The Forms - III, IV or V executed at the time of creation of pledge, hypothecation or lien, shall be valid during the currency of the pledge, hypothecation or lien created in respect of the Government security.

(8) Subject to the forms prescribed in this regulation, the transfer form, notice of pledge, hypothecation or lien, confirmation of pledge, hypothecation or lien, application for cancellation or invocation of pledge, hypothecation or lien, or return memo, may be executed in electronic form under digital signature, as defined in clause (p) of section 2 of the Information Technology Act, 2000 (21 of 2000).

22. General provisions relating to pledge, hypothecation and lien.- (1) The Bank or, as the case may be, the Government shall not be responsible to any person creating pledge, hypothecation or lien or party to thereof for any loss caused to him on account of the invocation of the pledge, hypothecation or lien by the pledgee or the creditor in violation of the terms of pledge, hypothecation or lien or the provisions of any other law for the time being in force.

(2) The Bank or, as the case may be, its agent shall

(a) not take cognizance of any notice or claim of any person that may be received by it before it has taken the steps required to be taken under regulation 21 on receipt of Forms - XIV, XV or XVI;

(b) take the steps required under regulation 21 as if it had not received such notice or claim.

(3) No transfer by the holder of any Government security in respect of which pledge, hypothecation or lien is in force shall be effected by the Bank or its agent without the prior concurrence of the pledgee or the creditor, as the case may be.

(4) The Government security in respect of which pledge, hypothecation or lien has been recorded in the books of the Bank or its agent, as the case may be, matures for repayment, the maturity proceeds shall not be payable to the holder of the security, without the written concurrence of the pledgee or creditor along with duly executed Form - XVI.

Explanation; For the purpose of regulation 21 and this regulation, —

(a) “pledgee” means a person in whose favour the Government security has been pledged;

(b) “creditor” means a person in whose favour the Government security has been hypothecated or a lien in respect thereof has been created.

CHAPTER VIII

PAYMENT OF INTEREST AND MATURITY PROCEEDS

23. Payment of interest. - Payment of interest on Government security shall be made and acknowledged in the following manner, namely, -

(1) Government promissory note - Where post dated interest warrants have not been issued, interest shall be paid by interest warrants issued by the Bank or if the holder so desires, by credit to his bank account through electronic means, on presentment of the Government promissory note.

(2) Stock or bond - Interest on stock or a bond held in a bond ledger account shall be paid by interest warrants issued by the Bank or its agent, as the case may be, or if the holder so desires, by credit to his bank account through electronic means.

(3) Bearer bond - Interest on a bearer bond, where applicable, shall be paid to any person who presents the coupon entitling him to such interest at the Public Debt Office or the treasury or sub-treasury, as the case may be, at which the bond is registered or enfaced for payment of interest.

(4) Notwithstanding anything contained in the provisions of this regulation, the Bank may arrange for payment of interest on a Government security at any place not provided herein or through any mode not provided herein.

24. Discharge of a security. - (1) For obtaining maturity proceeds due on a Government security, held in any of the following forms i.e.;

(a) a Government promissory note; or

(b) a bearer bond; or

(c) a treasury savings deposit certificate; or

(d) a defence deposit certificate;

the security shall be presented at the office at which the interest on the security is payable or at the Public Debt Office of domicile and signed, except in the case of a bearer bond by the holder, on its reverse, and in the case of bearer bond, coupon or coupons, if any, for the half-year preceding the date of payment of the principal shall be surrendered with the bond or bonds.

(2) (a) In the case of stock held in the subsidiary general ledger account or constituents' subsidiary general ledger account, payment of the maturity proceeds shall be made by a pay order issued by the Public Debt Office at which the stock is registered or by credit to the current account maintained with the Bank or any other account of the holder in any bank having facility of receipt of funds through electronic means;

(b) in the case of a Government security held in a bond ledger account, with the Bank or its agent, payment of the maturity proceeds shall be made by a pay order issued by the Public Debt Office or the agent, as the case may be, or by credit to the account of the holder in any bank having facility of receipt of funds through electronic means;

(c) in the case of a stock for which a stock certificate has been issued, payment of maturity proceeds shall be made by a pay order issued by the Public Debt Office at which the stock certificate is registered or by credit to the account of the holder in any bank having facility of receipt of funds through electronic means;

(d) for the purposes of making payment in respect of the securities, the original subscriber or the subsequent holders of such Government securities, as the case may be, shall submit to the Bank or its agent, as the case may be, in whose books such Government securities are registered, the relevant particulars of their bank account.

(3) Payment of maturity proceeds to the registered holder of a Government security on maturity date, in accordance with the provisions of sub-regulation (2), shall be a valid discharge for payment due thereon.

(4) A prize bond shall be presented for payment on maturity at the Public Debt Office or at any office authorised by the Government as an office of issue at the time when the loan to which the prize bond belongs was open to subscription.

(5) A defence deposit certificate shall be duly discharged by the holder on maturity and presented for payment at the Public Debt Office, New Delhi.

(6) If the Public Debt Office is of the opinion that a doubt exists relating to the title to a Government security, it may require the claimant to execute a bond in Form - XII with one or more sureties approved by the Public Debt Office, or to furnish an

indemnity bond not exceeding twice the value of the security, in favour of the Bank with a right to assign the bond or security to any person.

(7) The payment in respect of the securities referred to in sub-regulation (1) shall be made by Public Debt Office in good faith and without negligence to the person who purports to be the last holder of the same and such payment shall discharge the Bank and the Government of its liability under the said security.

25. Disposal of securities which have been repaid, renewed, converted, etc. - A Government security in respect of which a duplicate or a new Government security has been issued or which has been discharged by payment may be perforated, punched, cut or otherwise disposed of by the Bank in such manner as the Bank may consider necessary to ensure that the original security is not misused.

CHAPTER IX

FEEES

26. Fees. - (1) A fee of rupees twenty shall be payable for renewal, conversion or subdivision of the Government security and a fee of rupees hundred shall be payable for issue of a duplicate Government security:

Provided that no fee shall be payable -

(a) in respect of the conversion of a Government promissory note into stock certificate or credit thereof to subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account or conversion credit of stock certificates to subsidiary general ledger account including a constituents' subsidiary general ledger account; or

(b) in respect of consolidation of Government securities; or

(c) in respect of the renewals due to filling up of interest cages at the back of Government promissory note (s) or filling up of transfer endorsement cages at the back of stock certificate (s).

(2) A fee of rupees ten shall be payable for obtaining information regarding Government security under regulations 18 or 19 and a fee of rupees two shall be payable for each page of certified copy granted under regulation 19 by way of cash against proper receipt or by demand draft or bankers cheque payable to the Bank.

PRABAL SEN, Principal Chief General Manager

[Advt.-3/4/38/07-Exty.]

FORM - I

[See regulation 3 (2)]

**SUBSIDIARY GENERAL LEDGER/CONSTITUENTS' SUBSIDIARY
GENERAL LEDGER ACCOUNT DETAILS**

1. Name of Member (s) or Account Holder (s):-
2. Subsidiary General Ledger or Constituents' Subsidiary General Ledger account number:-
3. Account Type:-
4. Current Account number or Settlement Account number or Designated Bank Settlement Account number of the member or account holder:-
5. Details of the transactions including therein:-
 - (a) Name of the counterparty:-
 - (b) Member Identification of the counterparty:-
 - (c) Transaction amount:-
 - (d) Balance:-
 - (e) Transaction reference:-
 - (f) Transaction type:-
 - (g) Date of transaction:-
 - (h) Description of the transaction:-
 - (i) Clearing Corporation of India Ltd. Transaction Reference number:-
6. Nomenclature of the security including therein:-
 - (a) Face value of the security:-
 - (b) Date of maturity of the security:-
 - (c) Name of the Government which has issued the security:-
 - (d) Rate of interest:-
 - (e) International Security Identification Number (ISIN):-
7. Total free balance:-
8. Anticipation balance:-
9. Details of securities under pledge or hypothecation or lien:-
10. Permanent Account Number (PAN):-

FORM – II

[See regulation 3 (3)]

BOND LEDGER ACCOUNT DETAILS

1. Name of investor:-
2. Bond ledger account number:-
3. Nomenclature of the scheme(s):-
4. International Security Identification Number (ISIN):-
5. Details of the investment including therein:-
 - (a) Date of investment:-
 - (b) Cumulative / non-cumulative:-
 - (c) Investment amount:-
 - (d) Investment number:-
6. Details of transfer:-
7. Details of repayment:-
8. Details of nomination:-
9. Details of investor's bank account:-
10. Details of payment options (ECS/EFT/NEFT/RTGS/Payment Order/Interest Warrant):-
11. Details of investment under pledge or hypothecation or lien:-
12. Permanent Account Number (PAN) of the investor:-

FORM - III

[See regulations 4 (1) (c) and 21]

TRANSFER OF STOCK CERTIFICATES

I/We* (transferor/s) do hereby assign and transfer my/our* interest or share in the inscribed stock certificate number of percent Government Loan of amounting to Rs. being the amount /a portion of the stock for Rs. as specified on the face of this instrument together with the accrued interest thereon to (transferee/s), his / her / their* executors, administrators or assigns, and I/We* do freely accept the stock certificate number to the extent it has been transferred to me/us*.

I/We* (transferee/s) hereby request that on my/our* being registered as the holder/s of the stock transferred to me/us*, the above stock certificate to the extent it has been transferred to me/us* may be renewed in my/our* name (s)/converted in my/our* name(s).

@I/We* (transferor/s) hereby request that on the above transferee(s) being registered as the holder/s of the stock hereby transferred to him/them*, the aforesaid stock certificate to the extent it has not been transferred to him/them* may be renewed in my/our* name (s).

As witness, our hand the day of two thousand and

Signed by the above-named transferor in the presence of**	Signature of transferor..... Address:
Signed by the above-named transferee in the presence**	Signature of transferee.....

*: Delete whichever is not applicable.

@: This paragraph is to be used only when a portion of the Certificate is transferred.

** : Signature, occupation and address of witness. Witness should be different for transferor and transferee.

Transferred:

Stock Certificate issued No/s dated

Manager, Reserve Bank of India,

FORM - IV

[See regulations 4 (1) (d) and 21]

**TRANSFER OF STOCK HELD IN THE RESERVE BANK OF INDIA (RBI) IN
THE SUBSIDIARY GENERAL LEDGER ACCOUNT (SGL) INCLUDING A
CONSTITUENTS' SUBSIDIARY GENERAL LEDGER ACCOUNT (CSGL)
RELATING TO GOVERNMENT SECURITIES**

Seller's Reference Number Buyer's Reference Number

(A) Securities Transfer

1. Name(s) of the transferor (seller) SGL or CSGL A/c. (to debit)

2. Name(s) of the transferee (buyer) SGL or CSGL A/c. (to credit)

3. If sale is on behalf of the constituent, name of the constituent

4. If purchase is on behalf of the constituent, name of the constituent

5. Particulars of Government securities:

Sl. No.	Nomenclature of the Security	ISIN	Face Value (in Rs.)	Sale Price of the security (in percent)	Total Cost of Security (Rs.) (Sale Price/100 x Face Value)	Accrued interest (Rs.)

(B) Transaction Details - Applicable for both outright and first leg of Repo transactions

1. Type of transaction- Outright / Repo 2. Is it RBI or inter-bank Repo

3. Date of Contract 4. Date of Settlement

5. Income tax, if any, (Rs.) 6. Other payments, if any, (Rs.)

7. Consideration amount (in words) Rupees:

Broker Amount:

Brokerage Code:

8. For Buyer: Rs:

Broker Amount:

Brokerage Code:

9. For Seller: Rs:

(C) Details in respect of Repo transactions:1. Date of Repurchase: 2. Repurchase agreement rate (2nd Leg) (in percent)3. Consideration amount for Repurchase leg (in words) Rupees. _____ Rs

We hereby authorise RBI to debit / credit our above referred SGL or CSDL Accounts and credit / debit our current accounts / settlement accounts designated for the purpose with the amount of consideration as stated under item B(7) and or C (3), as the case may be, per contra as specified.

Signed on the _____ day of the month of _____ of the year

Signature(s) of transferor: Signature(s) of transferee:

PAN No.: _____

PAN No.: _____

(In case of electronic submission, digital signatures of the authorized officials for SGL Account and Current Account of transferor and transferee will replace physical signatures)

Notes:

1. The form should be submitted to RBI within one working day after the date of signing the transfer form and on or before the settlement date, failing which, it is liable to be rejected.
2. All the instructions in the form should be complied with, failing which the form is liable to be rejected.
3. The Current Account designated or linked to the SGL or CSDL Account as per the mandate will be operated.
4. In case of Repo transactions, this form will be considered for effecting the repurchase leg of the transaction as per the details given under item (C) above.
5. The transactions conducted on behalf of the constituents should be given effect to in the constituents' account maintained with the principal (SGL account holder) immediately.

FORM - V

[See regulations 4 (1) (e) and 21]

**TRANSFER OF SECURITIES HELD IN THE RESERVE BANK OF INDIA
(RBI) IN THE BOND LEDGER ACCOUNT RELATING TO GOVERNMENT
SECURITIES**

I/We* (transferor/s) do hereby assign and transfer my/our* interest or share in the Bond Ledger Account of the Bonds amounting to Rs... being the amount / portion of the bonds for Rs... held in the Bond Ledger Account No. together with the accrued interest thereon due for repayment on to (transferee/s), his/her/their* executors, administrators or assigns, and I/We* (transferee/s) do freely accept the Bonds in the above Bond Ledger Account No. amounting to Rs...

I/We* (transferee/s) request that I/We* may be registered as the holder/s of the Bond hereby transferred to me/us* and a Bond Ledger Account may be opened in my/our name* credited to my/our Bond Ledger Account No*

@I/We* (transferor/s) hereby request that on the above transferee(s) being registered as the holder(s) of the Bond hereby transferred to him/them* the aforesaid Bond, to the extent it has not been transferred to him/them*, may continue in my/our* Bond Ledger Account No

As witness, our hand the day of two thousand and

Signed by the above-named transferor in the presence of**	Signature of transferor..... Address:
Signed by the above-named transferee in the presence**	Signature of transferee.....

*: Delete whichever is not applicable.

@: This paragraph is to be used only when a portion of the Bond is transferred.

** : Signature, occupation and address of witness. Witness should be different for transferor and transferee.

FORM - VI

[See regulation 7]

NOMINATION

I/We (Name and address),
the holder/s of Stock certificate/BLA No for the loan
hereby nominate the following person/s who shall on my/our death have the right to
the Government securities/Bonds and receive payment of the amount for the time
being due on the Government securities / Bonds specified below:

PARTICULARS OF NOMINEE:

Date of issue	Amount Rs.	Date of repayment	Full name with expanded initials and address of nominee	Date of birth in case of minor	Relation- ship to holder/s	Particulars of bank account

To be filled in case if nominee is minor: As
the sole nominee above is a minor on this date, I/We appoint Shri/Smt./Kum
..... to receive the amount for the time being
due to the above Government securities/Bond in the event of my/our death during the
minority of the said nominee

If the nomination is in substitution of the one already made: This nomination is in
substitution of the nomination dated made by me/us and registered
on your books at which shall stand cancelled on registration
of this nomination.

Place: _____

(Signature(s) of the Stock Certificate holder (s)
/ BLA holder(s))

Date: _____

Signature with name and address of witnesses:

1.....
2.....

Acknowledgment

We acknowledge having registered the nomination in favour of
(Name of nominees) for the Stock Certificate/BLA No. for the
loan and the nomination registration no. is
Please quote the above nomination registration no. in all communication pertaining to
change or cancellation of nomination.

Date:

Authorised Official

FORM - VII

[See regulation 7]

CANCELLATION OF NOMINATION

I/We (name and address) do hereby cancel the nomination dated made by me/us in respect of the following Stock certificate/Bond Ledger Account No., and registered by the Public Debt Office/branch of the Agency bank on(date) vide registration no.

Particulars of the Stock Certificate/Bonds

Date of Issue	Nomenclature of the loan	Stock Certificate / BLA No.	Amount (Rs.)

Place: _____

(Signature(s) of the Stock Certificate holder (s)
/ BLA holder(s))

Date: _____

Signature with name and address of witnesses:

1.

2.

Acknowledgment

We acknowledge having cancelled the nomination in favour of
(Name of nominees) for the Stock Certificate/BLA No. for the
loan noted vide our nomination registration no.
dated

Date:

Authorised Official

FORM - VIII

[See regulation 11 (3)]

**NOTIFICATION OF LOST (STOLEN, DESTROYED, MUTILATED OR
DEFACED, AS THE CASE MAY BE) GOVERNMENT PROMISSORY
NOTE.**

“The Government promissory note no. of the
(Nomenclature of the loan) for Rs... originally standing in the name of
..... and last endorsed to this notifier, by whom it was never
endorsed to any other person having been lost (stolen, destroyed, mutilated or
defaced) notice is hereby given that payment of the above note or notes and the
interest thereupon has been stopped at the Public Debt Office and that application
is about to be made for the issue of a duplicate in favour of this notifier. The
public are cautioned against purchasing or otherwise dealing with the above
promissory note or notes. The public are requested to inform the notifier at the
following address if they come across the above Government promissory note or
notes.

Name of person notifying:

Address:

FORM - IX

[See regulation 16 (b)]

ENDORSEMENT FOR THE RENEWAL OF A STOCK CERTIFICATE

Received in lieu hereof a renewed Stock Certificate of the per cent loan of for Rs... in the name of with interest payable at

Signature of the registered holder/duly authorised representative of (name of registered holder).....

FORM - X

[See regulation 16 (b)]

ENDORSEMENT FOR SUB-DIVISION OF A STOCK CERTIFICATE

Received in lieu of this stock certificate, stock certificates for Rs... respectively of the per cent loan of with interest payable at

Signature of the registered holder/duly authorised representative of (name of registered holder).....

FORM - XI

[Regulation 16 (b)]

ENDORSEMENT FOR CONSOLIDATION OF STOCK CERTIFICATES

Received in lieu of stock certificate nos. for Rs... respectively of the per cent loan of, a stock certificate for Rs... of the per cent loan of with interest payable at

Signature of the registered holder/duly authorised representative of (name of registered holder)

FORM - XII

[See regulation 24(6)]

SECURITY BOND

This Agreement is made on the day of between son/daughter/wife of resident of on the one part and the Reserve Bank of India on the other part.

Whereas I/we am/are..... the true and lawful owner/s of the Government securities specified in the Schedule "A" hereto annexed.

And whereas I/we have applied to the Reserve Bank of India, Public Debt Office, for issue of the duplicate/repayment of the said Government securities and the said Bank have consented so to do upon my/our giving a security of Rs. to meet a claim by a rightful owner to the said securities in case there shall be such a claim.

Now these Present witness that in pursuance of the aforesaid agreement I/we hereby oblige myself/ourselves to make good the claim of the rightful owner in respect of the said securities and I/we hereby further agree that this bond may be held by the said Bank and the said Bank may assign the Bond to the rightful owner of the said securities.

In witness whereof I/we have subscribed my/our name/names this day of

Signed by the within-mentioned in the presence of

.....
Principal

I/We son/daughter/wife of resident of hereby undertake to make good any claim to the rightful owner of the Government securities mentioned in the schedule hereto in case the principal/principals makes/make default in payment of the claim by virtue of the above agreement.

Signed by the within-mentioned in the presence of.....

.....
Surety

Schedule "A" referred to in the Bond

Nomenclature of the security	Distinctive Number	Date of Issue	Amount

FORM - XIII

[See regulation 20]

INDEMNITY BOND

Whereas I/We son/daughter/wife ofresident at (and son/daughter of resident at)..... claim to be entitled (here state in what capacity claim to the notes is made) to the security(ies) specified in the schedule hereunder written and have represented to the Reserve Bank of India, Public Debt Office,..... that the said security(ies) has/have been..... and have applied to the Reserve Bank of India, Public Debt Office,....., for an inspection of the said security(ies) and also for all other information and particulars respecting the said security(ies) and whereas the Reserve Bank of India, Public Debt Office,.....has agreed to give inspection and to afford to me/us all information and particulars affecting the said security(ies), I/We oblige myself/ourselves my/our heirs and assigns whatsoever (to be omitted if bond taken from one person only) jointly and severally to guarantee and defend and relieve the Reserve Bank of India, Public Debt Office,..... and the Government to the extent of Rs.....from all and any claim, question and expenses which may be raised against or incurred by the Reserve Bank of India, Public Debt Office,..... or the Government in reference to the said note(s) and/or security(ies).

In witness hereof I/We have subscribed my/our name(s) this.....day of

Signed by the within mentioned in the presence of

.....
Applicant's signature

[The schedule referred to in the foregoing Bond]

FORM - XIV

[See regulations 21 (1), (2), (3) and 22(2)]

NOTICE OF PLEDGE/HYPOTHECATION/LIEN OF GOVERNMENT SECURITIES

To, The Regional Director Reserve Bank of India Public Debt Office	To, The Manager, Name of CSGL A/c Holder Address:	To, The Manager Name of the agent Address:
--	---	--

Dear Sir,

Please take notice that I/we [name(s) of the holder(s)] have pledged/hypothecated/created lien¹ on the Government securities specified in Schedule 'A' hereto annexed {and have deposited the original scrip(s) with.....name(s) of the Pledgee(s)/Creditor(s)}¹. A duly executed transfer form is deposited with the pledgee². Please record pledge/hypothecation/lien¹ in your books of account in respect of the securities listed in Schedule 'A' and oblige.

Yours faithfully,

Signature(s) and name(s) of the Holder(s) / Borrower(s).....

Mailing address:

Signature(s) and name(s) of the Pledgee(s) / Creditor(s).....

Mailing address:

Dated thisday of

Schedule 'A'

Nomenclature of the security and ISIN	Distinctive number of the physical security	SGL/CSGL/ Bond Ledger Account No	Date of maturity	Face value of security

Note: (i) This form has to be submitted in triplicate. Counter receipt will be issued if submitted at the counter. The Public Debt Office will retain the original. Confirmation of having recorded the pledge/hypothecation/lien in the books of Public Debt Office will be issued on the duplicate and triplicate. Holder(s)/borrower(s) or pledge(s)/creditor(s) shall arrange to collect the same by surrendering the counter receipt duly discharged.

¹ Strike out in the case of hypothecation, lien on securities held in SGL, CSGL A/c or BLA.

² Strike out in the case of hypothecation or lien.

(ii) If this Form is submitted otherwise than at the counter, the duplicate and triplicate of the Form shall be dispatched by Post/Courier at the mailing addresses.

For Office use only:

Return Memo

Notice of pledge/hypothecation/lien could not be recoded in the books of account of Public Debt Office for the following reason(s).

- ☐ Discrepancies in the particulars of securities/Account No(s).
- ☐ Discrepancies in the names of holders.
- ☐ Form is incomplete.
- ☐ Enclosures not compiled properly.
- ☐ Signature not matching.
- ☐ Security not eligible for pledge/hypothecation/lien
- ☐ Security already under pledge/hypothecation/lien in favour of another creditor.
- ☐ Claims in respect of the security are pending.
- ☐ Under Stoppage.
- ☐ Any other reason.....

Authorised Officer

Confirmation

Confirmed that the notice of pledge/hypothecation/lien is recoded in the books of account of Public Debt Office / CSGI Account Holder / Agent.

Authorised Officer

FORM - XV

[See regulations 21 (3),(4) and 22 (2)]

**APPLICATION FOR TRANSFER OF GOVERNMENT SECURITIES UNDER
PLEDGE/HYPOTHECATION/LIEN**

To, The Regional Director Reserve Bank of India Public Debt Office	To, The Manager, Name of CSGL A/c Holder Address:	To, The Manager Name of the agent Address:
--	---	--

Dear Sir,

Pledge/hypothecation/lien* was created on the securities listed in Schedule 'A' below.
I/we now submit herewith the following documents, namely:

- (1) Original scrips¹
- (2) Form - XV containing the confirmation of pledge/hypothecation/ lien, and
- (3) Transfer deed executed in our favour [at the time of creating pledge]²

I/We request that the Government securities specified in Schedule 'A' be transferred in your books of account in my/our favour.

Yours faithfully,

Signature(s) and name(s) of the Creditor(s)

Mailing address:

Dated thisday of

Schedule 'A'

Nomenclature of the security and ISIN	Distinctive number of the physical security	SGL/CSGL/ Bond Ledger Account No	Date of maturity	Face value of security

Note: (i) This form has to be submitted in duplicate. Counter receipt will be issued if submitted at the counter. The Public Debt Office will retain the original. Confirmation of having transferred the securities in favour of the Creditor(s) in the books of Public Debt Office will be issued on the duplicate. Creditor(s) shall arrange to collect the same by surrendering the counter receipt duly discharged.

(ii) If this Form is submitted otherwise than at the counter, the duplicate of the Form shall be dispatched by Post / Courier at the mailing address.

¹ To be struck off in case the securities are held in SGL, CSGL or BLA Account.

² To be struck off in the case of hypothecation and lien

* Strike off whichever is not applicable

For Office use only:

Return Memo

Securities could not be transferred in the books of account of PDO in favour of the creditor(s) for the following reason(s).

- ☐ Discrepancies in the particulars of securities/account no(s).
- ☐ Discrepancy in the name(s) of holders.
- ☐ Form is incomplete.
- ☐ Enclosures not compiled properly.
- ☐ Signature not matching.
- ☐ Claims in respect of the security are pending.
- ☐ Under Stoppage.
- ☐ Any other reason.....

Authorised Officer

Confirmation

Confirmed that the pledge/hypothecation/lien recorded in respect of the securities has been cancelled and the securities have been transferred in the books of account of Public Debt Office in favour of the creditor(s)

Authorised Officer

FORM - XVI

[See regulations 21 (5) (6) and 22 (2) (4)]

CANCELLATION OF PLEDGE/HYPOTHECATION/LIEN

To, The Regional Director Reserve Bank of India Public Debt Office	To, The Manager, Name of CSGL A/c Holder Address:	To, The Manager Name of the agent Address:
--	---	--

Dear Sir,

The holder(s) of the Government securities listed in Schedule 'A' had created pledge/hypothecation/lien*, on the said Government securities in my/our favour. I/we enclose in original, the duplicate of Form - XV containing the confirmation regarding the recording of the said pledge/hypothecation/lien* in your books of account and request that the said pledge/hypothecation/lien be cancelled and that my/our name(s) be deleted from your books of account as the pledgee(s)/ creditor(s) in respect of the said Government securities.

Yours faithfully,

Signature(s) and name(s) of the Pledgee(s)/Creditor(s).....

Mailing address:

Dated thisday of

*: Strike out whichever is not applicable

Schedule 'A'

Nomenclature of the security and ISIN	Distinctive number of the physical security	SGL/CSGL/ Bond Ledger Account No	Date of maturity	Face value of security

Note: (i) This form has to be submitted in triplicate. Counter receipt will be issued if submitted at the counter. The Public Debt Office will retain the original. Confirmation of having cancelled the pledge/hypothecation/lien in the books of Public Debt Office will be issued on the duplicate and triplicate. Holder(s)/borrower(s) or pledgee(s)/creditor(s) shall arrange to collect the same within by surrendering the counter receipt duly discharged.

(ii) If this Form is submitted otherwise than at the counter, the duplicate and triplicate of the Form shall be dispatched by Post/Courier at the mailing addresses.

For Office use only:

Return Memo

Cancellation of pledge/hypothecation/lien could not be recorded in the books of account of PDO for the following reason(s).

- ☐ Discrepancies in the particulars of securities/account no(s).
- ☐ Discrepancies in the names of holders.
- ☐ Form is incomplete.
- ☐ Enclosures not compiled properly.
- ☐ Signature not matching.
- ☐ Any other reason.....

Authorised Officer

Confirmation

Confirmed that the pledge/hypothecation/lien has been cancelled in the books of account of Public Debt Office.

Authorised Officer
